

आज भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग तंत्र की बैठक में भाग लेंगे

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया संकट और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते चीन के आक्रामक रुख के बीच इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो शनिवार से भारत की तीन दिवसीय (6 से 8 जून तक) आधिकारिक यात्रा पर हैं। जिसका उद्देश्य भारत और इंडोनेशिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूती प्रदान करना है। रविवार (7 जून) को इंडोनेशिया के विदेश मंत्री भारत के साथ नियमित रूप से होने वाली संयुक्त आयोग तंत्र (जेसीएम) की बैठक में भाग लेंगे। जिसमें विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर शामिल होंगे। सुगियोनो की इस यात्रा में उनकी पत्नी मार्लिन मैसाराह सहित एक

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर इंडोनेशिया के विदेश मंत्री



प्रतिनिधिमंडल भी इंडोनेशिया से भारत पहुंचा है। जिसकी देश में होने वाली तमाम चर्चाओं में महत्वपूर्ण द्विपक्षीय मामले मुख्य रूप से ►►शेष पेज 5 पर

इंडोनेशिया को भारत से चाहिए ब्रह्मोस

यहां बता दें कि इंडोनेशिया के विदेश मंत्री की यह भारत यात्रा एक ऐसे समय पर हो रही है। जब बीते कुछ वक्त से दोनों देशों के बीच ध्वनि की गति से भी तीन गुना अधिक तेजी से दुश्मन पर सटीक वार करने में सक्षम सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं। इंडोनेशिया भारत से इन अति विध्वंसक मिसाइलों को खरीदने का इच्छुक है। इस मिसाइल को भारत और रूस ने संयुक्त रूप से डिजाइन और विकास के साथ बनाया है। ऐसे में भारत को दुनिया के किसी अन्य देश को ब्रह्मोस की बिक्री करने से पहले रूस की मंजूरी लेनी पड़ती है। रूस से इसे लेकर भारत को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। वहीं, ऑपरेशन सिंदूर के बाद ब्रह्मोस मिसाइल के अलावा भारत में निर्मित स्वदेशी रक्षा उत्पादों की दुनियाभर में मांग काफी बढ़ गई है।

2001 में हुआ था जेसीएम का गठन

गौरतलब है कि जेसीएम की स्थापना भारत और इंडोनेशिया के बीच वर्ष 2001 में हुई थी। जिसके लिए दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। 2022 में दोनों देशों के बीच सातवें संयुक्त आयोग तंत्र की बैठक नई दिल्ली में हुई थी। जिसकी सह-अध्यक्षता विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और इंडोनेशिया के तत्कालीन विदेश मंत्री रेटनो मार्सुदी ने की थी। जेसीएम से इतर दोनों देशों के बीच विदेश कार्यालय संबंधी वार्ता (एफओसी) का सिलसिला भी चलता रहता है। जिसका पहला दौर 17 जून 2013 को इंडोनेशिया में आयोजित किया गया था। जबकि एफओसी का आठवां दौर 2024 को भारत में हुआ था।

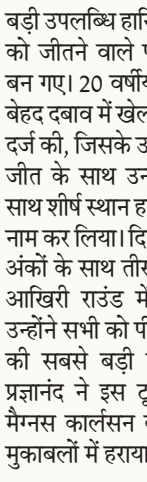
युवा सितारे प्रज्ञानंद ने रचा इतिहास

नॉर्वे शतरंज खिताब जीतने वाले वे ‘पहले’ भारतीय बने

एजेसी ►► ओस्लो

भारतीय शतरंज के युवा सितारे और ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने इतिहास रचते हुए प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। उन्होंने अंतिम राउंड में जर्मनी के विसेंट कीमर को हराकर यह

वीथ नंबर-1 मेनस कार्लसन को भी दी मात



बड़ी उपलब्धि हासिल की और इस टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। 20 वर्षीय प्रज्ञानंद ने अंतिम दिन बेहद दबाव में खेलते हुए क्लासिकल जीत दर्ज की, जिसके उन्हें पूरे 3 अंक मिले। इस जीत के साथ उन्होंने कुल 18 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर खिताब अपने नाम कर लिया। दिन की शुरुआत में वह 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे, लेकिन आखिरी राउंड में बेहतरीन प्रदर्शन कर उन्होंने सभी को पीछे छोड़ दिया। इस जीत की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि प्रज्ञानंद ने इस टूर्नामेंट में विश्व नंबर-1 मेनस कार्लसन को दो बार क्लासिकल मुकाबलों में हराया।

पीएम बोले- यह अद्भुत उपलब्धि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नॉर्वे शतरंज 2026 का खिताब जीतने के लिए भारतीय गैंडमास्टर प्रज्ञानंद रमेशबाबू को बधाई दी है। मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में प्रज्ञानंद को बधाई देते हुए कहा है कि यह वास्तव में एक अद्भुत उपलब्धि है जो उनके लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दिखाती है।

बड़ी बैठक: पश्चिम एशिया संकट के बीच पीएम मोदी की इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल के साथ बैठक तेल की कीमतों, सप्लाई चेन व महंगाई को थामने के लिए पीएम ने किया मंथन

एजेसी ►► नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल (पीएम-ईएससी) की बैठक की अध्यक्षता की, जहां बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत की आर्थिक रफ्तार को बनाए रखने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। बैठक में आर्थिक विकास को मजबूत करने, अर्थव्यवस्था की मजबूती बढ़ाने, देश में ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बेहतर बनाने के लिए सुधारों को तेज करने से जुड़े कई सुझावों और नीतिगत उपायों पर विचार किया गया। काउंसिल के सदस्यों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की बदलती परिस्थितियों की समीक्षा की, इसके साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ►►शेष पेज 5 पर

पीएम ने कहा कि भारत ने सामूहिक राष्ट्रीय प्रयासों के दम पर मजबूती दिखाई है और विकास केंद्रित नीतियों पर वह लगातार आगे बढ़ रहा है



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैठक लेते हुए

काउंसिल के सदस्यों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की बदलती परिस्थितियों की समीक्षा की

पीएम मोदी ने कहा दुनिया चुनौतियों के दौर से गुजर रही

प्रधानमंत्री मोदी की हालिया टिप्पणियों के महानजर ये चर्चाएं काफी महत्वपूर्ण हो जाती हैं, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी है कि दुनिया अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। सूरत में एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने मौजूदा दशक को आपदाओं का दशक बताया, उन्होंने कोविड-19 महामारी और रक्षा संघर्षों से लेकर ऊर्जा बाजारों ►►शेष पेज 5 पर

पीएम मोदी के आर्थिक सुधार देश की समृद्धि को लगातार दे रहे हैं बढ़ावा: शाह



वित्त वर्ष 2026 में देश द्वारा दर्ज की गई 7.7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए सुधार आर्थिक समृद्धि को लगातार बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे भारत विध्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। एक्स पर एक पोस्ट ►►शेष पेज 5 पर

वैश्विक व्यापार प्रवाह

व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण बनाना भी रहा मुद्दा

काउंसिल ने उन उपायों पर भी चर्चा की जो घरेलू आर्थिक गतिविधि को मजबूत करने, निवेश को समर्थन देने, उत्पादकता बढ़ाने और व्यवसायों के लिए अधिक अनुकूल वातावरण बनाने में मदद कर सकते हैं। बैठक के दौरान अनुपालन ►►शेष पेज 5 पर

दिल्ली में ‘काँकरोच जनता पार्टी’ का 5 घंटे प्रदर्शन

अभिजीत दीपके ने शिक्षा मंत्री का ‘इस्तीफा’ मांगा



नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर काँकरोच जनता पार्टी, यानी सीजेपी ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया। पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा था कि मंत्री शनिवार शाम 5 बजे तक इस्तीफा दें, नहीं तो पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा। अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन करेंगे। सीजेआई को जंतर-मंतर पर शनिवार शाम 5 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति मिली थी, लेकिन दोपहर 3:30 बजे अभिजीत की तबीयत खराब ►►शेष पेज 5 पर

युवाओं को नकारात्मक राजनीति में ले जाने वाले सफल नहीं होंगे: नवीन

माजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सीजेपी के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो लोग इस देश के युवाओं को नकारात्मक राजनीति के लिए ले जाना चाहते हैं वो सफल नहीं होंगे। भारत का युवा देश निर्माण में लगा है। पीएम मोदी के विकसित भारत के विजन को साकार करता हुआ हमारा युवा अनुशासन और इनोवेशन के साथ देश को आगे बढ़ा रहा है। भारत का युवा दिल्ली में बैठे कुछ लोगों की कठपुतली बनकर आगे नहीं बढ़ने वाला। उन्होंने कहा कि देश की आर्थी आबादी को हम पूरा सम्मान देंगे और 33% आरक्षण का जो संकल्प हमने लिया है, आने वाले समय में हम इसे जरूर पूरा करेंगे।

सुरक्षा परिषद का ढांचा

यूएनएससी में कुल 15 सदस्य हैं। जिनमें से 5 स्थायी और 10 अस्थायी सदस्य हैं। स्थायी सदस्यों में अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, रूस और फ्रांस जैसे देश शामिल हैं। इनके पास वीटो की शक्ति होती है यानी परिषद द्वारा किसी भी निर्णय को अंतिम रूप दिए जाने से पहले अगर कोई देश अपनी वीटो पावर का इस्तेमाल करेगा। तो वह निर्णय लागू होने की बजाय रह ही जाएगा। वहीं, दूसरी 10 अस्थायी सदस्यों के पास कोई वीटो पावर नहीं होती है और उनका चुनाव भी परिषद में केवल दो साल के कार्यकाल के तहत किया जाता है। वर्ष 2025-26 में यूएनएससी में शामिल 15 अस्थायी सदस्यों में पाकिस्तान, डेनमार्क, वीस, पलामा और सोमालिया जैसे देश शामिल हैं। इन सभी का कार्यकाल मौजूदा वर्ष 2026 के अंत में समाप्त हो जाएगा।

पाकिस्तान द्वारा जानबूझकर यूएन में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने पर भारतीय राजदूत की सख्त प्रतिक्रिया यूएन का हिस्सा होना बड़ी जिम्मेदारी, झूठ फैलाने के लिए न हो मंच का इस्तेमाल: पी. हरीश

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) जैसे वैश्विक मंचों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ जम्मू-कश्मीर का मामला उठाकर लगातार अपने पक्षपातपूर्ण और झूठे प्रचार वाले एजेंडे को फैलाने वाले पाकिस्तान को भारत ने कड़ी फटकार लगाई है। जिसमें यूएन के स्थायी प्रतिनिधि और वरिष्ठ राजदूत पर्वतनेनी.हरीश ने कहा कि फैलाने के लिए नहीं करना चाहिए। यह जानकारी बीते शुक्रवार देर रात भारतीय राजदूत ने सुरक्षा राष्ट्र



जिम्मेदारी की बात है। ऐसे में इसका इस्तेमाल किसी देश को अपने दुराग्रह और दुष्प्रचार के एजेंडे को फैलाने के लिए नहीं करना चाहिए। यह जानकारी बीते शुक्रवार देर रात भारतीय राजदूत ने सुरक्षा राष्ट्र

महासभा (यूएनजीए) में सुरक्षा परिषद के वार्षिक प्रतिवेदन को लेकर आयोजित किए गए सत्र को संबोधित करते हुए दी है। जिसमें पाकिस्तान के यूएन में स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने जम्मू-कश्मीर का मामला उठाया था। यहां बता दें कि यह पहला मामला नहीं है जब भारत ने यूएन के मंच पर जानबूझकर कश्मीर का मुद्दा उठाने पर पाकिस्तान को ज़ुमदा खरी खोटी सुनाई है। पूर्व में भी ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। ►►शेष पेज 5 पर

1

WORLD'S NO.1

HAIR OIL

ASU AMLA, DABUR AMLA

याद रखना, सस्ता आँवला, बालों को महँगा पड़ेगा

डाबर आँवला तेल का उत्तम गाढ़ापन बालों में समाए और उन्हें बनाए मज़बूत

10x मज़बूत.*

असली आँवला, डाबर आँवला

सस्ता आँवला

₹54/-

₹54/-

FREE 50% EXTRA

Dabur

Amla

Hair Oil

3 HAIR BENEFITS

PREVENTS • LOOSENS • FALLS OUT

₹54/-

₹54/-

FREE 50% EXTRA

Dabur

Amla

Hair Oil

3 HAIR BENEFITS

PREVENTS • LOOSENS • FALLS OUT

₹54/-

₹54/-

FREE 50% EXTRA

Dabur

Amla

Hair Oil

3 HAIR BENEFITS

PREVENTS • LOOSENS • FALLS OUT

“स्वतंत्र लैब में बिना तेल लगे बालों की तुलना में बाल टूटने के अध्ययन के आधार पर”

“और जो दे साधारण तेल के मुकाबले बिना तेल लगे बालों की तुलना में ज्यादा मज़बूती.”

“वर्ष 2024 के लिए ग्लोबल हेयर ऑयल मार्केट रिपोर्ट में “मोडर इटेलिजेंस” द्वारा जारी किए गए बैल्यू श्रेंथर के अनुसार.

“असली आँवला, डाबर आँवला”, डाबर इंडिया लिमिटेड का पंजीकृत ट्रेडमार्क है.

Email: daburcares@dabur.com | Toll free no. 18001031644

Also available on Amazon and daburshop.com

पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर पर जुटे युवा, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा

काँकरोच जनता पार्टी ने अभिजीत दीपके की अगुवाई में किया बड़ा प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज़►नई दिल्ली

काँकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर शनिवार को बड़ा प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान काँकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दीपके सहित तमाम वक्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। आंदोलन का नेतृत्व अभिजीत दीपके ने किया। प्रदर्शनकारियों ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के अलावा निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था, डिजिटल शिक्षा सुधार, मगिपुर में सामान्य शिक्षा और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी मांगे उठाईं। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने सरकार के खिलाफ जंतरदार नारेबाजी भी की। सोनम वांगचुक भी युवाओं के आंदोलन को समर्थन देने पहुंचे। उन्होंने कहा कि बार बार पेपर लीक होने की घटनाएं सामान्य नहीं हैं, इन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता।

जंतर मंतर पर भारी पुलिस सुरक्षा के बीच हजारों युवा, छात्र, अभिभावक और नौकरी की तैयारी कर रहे उम्मीदवार प्रदर्शन



में पहुंचे। आंदोलन का केंद्र बिंदु शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा में गड़बड़ी और छात्रों पर बढ़ते मानसिक दबाव को बनाया गया।

अभिजीत दीपके ने कहा कि मंत्री आज शाम 5 बजे तक इस्तीफा दें, नहीं तो पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा। अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन करेंगे।

प्रदर्शन में शामिल ज्यादातर युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित और आक्रोशित नजर आए। बातचीत के दौरान अनेक युवा ये



कहते दिखे सरकार पेपर लीक रोकने में पूरी तरह असफल रही है। युवा तेज धूप और गर्मी के बीच लगातार शिक्षा मंत्री प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए नारेबाजी में जुटे रहे।

ज्ञात हो कि काँकरोच जनता पार्टी की शुरुआत एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान के रूप में हुई थी। यह अभियान

उस समय चर्चा में आया जब प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक सुनवाई के दौरान फर्जी कानून डिट्ठी वाले कुछ बेरोजगार युवाओं

की तुलना काँकरोच से की थी। इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर व्यापक बहस शुरू हुई और धीरे धीरे यह व्यंग्यात्मक राजनीतिक आंदोलन के रूप में सामने आया। आंदोलन को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और अभिनेता प्रकाश राज जैसे कई चर्चित लोगों का समर्थन भी मिला।

अमेरिका से नई दिल्ली पहुंचे अभिजीत दीपके को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रदर्शन स्थल के

लिए रवाना किया गया। हवाई अड्डे से बाहर निकलते समय अभिजीत दीपके ने पत्रकारों से कहा कि शिक्षा मंत्री को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि पांच छात्रों ने आत्महत्या की है। उन्होंने इस मुद्दे को युवाओं और छात्रों के भविष्य से जुड़ा गंभीर मामला बताया। दीपके ने प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने की अपील की। उन्होंने समर्थकों से कहा कि वे अपने साथ किताब और तिरंगा लेकर आएँ। साथ ही उन्होंने सुरक्षा कर्मियों के सम्मान

■ प्रदर्शन में शामिल ज्यादातर युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित और आक्रोशित नजर आए

में फूल लाने की भी अपील की ताकि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और अनुशासित बना रहे।

जंतर मंतर पर मौजूद काँकरोच जनता पार्टी के प्रमुख सदस्य सौरव दास ने भी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मंत्री अयोग्य साबित हुए हैं और उन्हें या तो स्वयं इस्तीफा देना चाहिए अथवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उन्हें मंत्रिमंडल से हटाना चाहिए। सौरव दास ने कहा कि जवाबदेही और सहयोग की संस्कृति को मजबूत करना जरूरी है।

प्रदर्शन में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, सीपीआई एमएल के महासचिव दिपांकर भट्टाचार्य, सीपीआई नेता एनी राजा और वामपंथी छात्र और युवा संगठनों के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

ज्योति नगर में पिता और पुत्र मृत मिले, जांच शुरू

हरिभूमि न्यूज़►नई दिल्ली

उत्तर पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर इलाके में शनिवार को 54 वर्षीय व्यक्ति अपने घर में फंदे से लटक मिला। वहीं उसके 13 वर्षीय बेटे का शव पास में बिस्तर पर पड़ा था। अशंका है कि बेटे की हत्या के बाद शख्स ने फांसी लगाई होगी। बहरहाल दोनों के शव पोस्टमॉर्टेम के लिये भेजे गये हैं। किशोर की मौत की वजह पीएम रिपोर्ट के बाद पता चल पाएगी।

पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह ज्योति नगर थाने में संदिग्ध आत्महत्या की घटना के बारे में सूचना मिली। इसके बाद वह छज्जपुर इलाके की गली नंबर तीन में मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस को प्रवीण शर्मा (54) अपने घर के एक कमरे में फंदे से लटके हुए पतु अवस्था में मिले। शर्मा का 13 वर्षीय बेटा नैतिक भी मृत मिला। फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया और साक्ष्य एकत्रित किए गए। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमॉर्टेम के लिए भेज दिया गया

है ताकि मृत्यु के सही कारण का पता चल सके। घटना के पीछे बेरोजगारी और पारिवारिक तनाव की आशंका जताई जा रही है। मृतक के एक रिश्तेदार दिनेश कुमार ने बताया कि सुबह करीब साढ़े आठ बजे तक दोनों कमरे से बाहर नहीं आये तो परिवार के लोगों ने दरवाजा खोला तो दोनों के शव मिले। करीब 20 साल पहले प्रवीण गुर्रामा की एक निजी कंपनी में कार्यरत था। लेकिन एक सड़क हादसे में घायल होने के बाद उसकी नौकरी चली गई थी। उसका शरीर बाद में पूरी तरह से स्वस्थ नहीं हो पाया जिसके कारण वैवाहिक जीवन भी प्रभावित हुआ। करीब छह साल पहले उसकी पत्नी हिमानी उसे और बेटे को छोड़कर मायके गाजियाबाद चली गई थी। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच विवाद बढ़ रहा था। अशंका जताई जा रही है कि पारिवारिक तनाव से प्रवीण टूट चुका था। बेटे और पोते की मौत के बाद बुजुर्ग माता पिता का रो रोकर बुरा हाल है।

मुटभेड़ के बाद हत्या का आरोपी दबोचा

हरिभूमि न्यूज़►नई दिल्ली

उत्तर पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में मुटभेड़ के बाद हत्या के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी का नाम रिहान बताया गया है। एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और कारतूस भी इसके पास से बरामद किए गए। वेलकम थाने में ही इसके खिलाफ हत्या का केस दर्ज था। पुलिस के अनुसार रिहान पूर्व में लूटपाट, चोरी और शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज छह मामलों में शामिल था। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार देर रात उसे रिहान के ठिकाने की सूचना मिली, जिसके बाद टीम ने झील पार्क के

पास जाल बिछाया। पुलिस ने बताया कि रात करीब 11 बजे संदिग्ध पार्क में प्रवेश करता दिखाई दिया था। मुखबिर द्वारा पहचान सुनिश्चित करने के बाद उसे जाँच के लिए रुकने का इशारा किया गया। लेकिन रिहान भागने की कोशिश करने लगा और पीछा कर रहे पुलिसकर्मियों पर गोली चला दी। मुटभेड़ के दौरान एक हेड कॉन्स्टेबल पहली गोली से बाल-बाल बच गए और तुरंत आरोपी को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। पुलिस ने बताया कि रिहान ने दूसरी गोली चलाई, जो पुलिसकर्मियों को नहीं लगी, जबकि तीसरी गोली हेड कांस्टेबल की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। आरोपी द्वारा पैदा

व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी जिले के शालीमार बाग इलाके के पास हुए एक झगड़े के बाद व्यक्ति की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने शनिवार को दो आरोपियों को भागने की कोशिश के दौरान ही पकड़ लिया। इनके नाम सौरभ उर्फ टोला और सचिन उर्फ चिंदी बताये गये हैं। पुलिस सूचना मिली थी कि इलाके में हुए झगड़े के दौरान चाकू लगने से घायल एक व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस संबंध में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने हत्या में शामिल सक्षिद्यों की पहचान के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की तथा तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचनाओं की मदद से पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कथित तौर पर अपराध में अपनी सलिपता स्वीकार की। उनके इश्ारे पर पुलिस ने वारंटान में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी पहले भी आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। पुलिस इनके आपराधिक रिकॉर्ड का सत्यापन कर रही है। हत्या के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है।

सात अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोहों का भंडाफोड़ , 14 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़►नई दिल्ली

मध्य जिला पुलिस ने मई माह में एक अभियान के दौरान सात बड़े अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोहों का भंडाफोड़ किया। इस सिलसिले में 14 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। ये अपराधी करीब दो करोड़ की धोखाधड़ी में शामिल थे।

पुलिस के अनुसार इस अभियान में कई राज्यों में सक्रिय साइबर अपराध के विभिन्न मॉड्यूल को निशाना बनाया गया। इनमें फर्जी सरकारी वेबसाइट, एल्गोरिदम आधारित ट्रेडिंग घोटाले, फर्जी मोबाइल एप्लिकेशन, घर से काम करने के नाम पर धोखाधड़ी और ऑनलाइन उपचार रैकेट शामिल थे। आरोपियों को राजस्थान, पंजाब, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया।

साइबर धोखाधड़ी के तीन सदस्य गिरफ्तार

मध्य दिल्ली की ही साइबर पुलिस ने एक अन्य कार्रवाई में अनधिकृत बैंकिंग लेनदेन के माध्यम से धन की हेराफेरी में शामिल एक और अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इसके तीन प्रमुख सदस्यों को दिल्ली एवं हरियाणा से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित के बैंक खाते से कथित तौर पर धोखाधड़ी से हसिल किए गए 4.82 लाख रुपये में से लगभग चार लाख रुपये 'फ्रीज' कर दिये गये हैं। आरोपियों के नाम उत्तम नगर के रवने वाले सोनू (21) तथा यश कुमार (27) और हरियाणा के यमुना नगर निवासी बलजिंदर सिंह उर्फ मंगगा (48) बताये गये हैं।

कर रहे भोले-भाले उपयोगकर्ताओं से भुगतान एकत्र करने के लिए इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के एमसीए स्नातक अंशुल यादव (24) को गिरफ्तार किया और फर्जी वेबसाइट से जुड़े लैपटॉप, मोबाइल फोन मामलों में से एक फर्जी सरकारी पोर्टल परिवहन ऑनलाइन से संबंधित था, जो परिवहन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट की कथित तौर पर नकल करता था और वाहन संबंधी सेवाओं की तलाश

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ (हरियाणा) - 123031 स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण आरंभ शैक्षणिक सत्र: 2026-27	
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ निम्नलिखित कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित सीयूईटी (पीजी) -2026 परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों से ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म आमंत्रित करता है।	
स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रम	
एच.एच.एस. अर्थशास्त्र, इतिहास एवं पुरातत्व, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, हिंदी, पत्रकारिता एवं जनसंचार, संस्कृत, हिंदी अनुवाद, हिंदू अध्येत	एम.पी.एड. शारीरिक शिक्षा एवं खेलकुद
एम.एससी. डाटा साइंस, जियोइकोस्टेटिक्स, रसायन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, भूगोल, गणित, भौतिकी, सांख्यिकी, सूक्ष्म जीवविज्ञान, जैव रसायन विज्ञान, पोषण जीवविज्ञान, जैवभूगोषिकी, योग	एमबीबी (टीटीएम) एमबीबी-एग्रिकल्चर एंड डेवेलपमेंट
एम.टेक. पर्यायी सिस्टम एंड मैनेजमेंट, दूरस्थ शिक्षा निर्माण, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग	एम.एड. / बी.एड.
विधि एलएलबी (3 वर्षीय), एलएलएम	एमबीए प्रबंधन अध्ययन
एमसीए कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन हिंदीकॉलेज साइकलॉजी (पीजीसीआरबी)
एम.बिब. एंड डब्ल्यू. साइंस लाइवरी एंड इनफार्मेशन साइंस	एडवांस्ड डिप्लोमा इन चाइल्ड गार्डईंस एंड कंसल्टिंग (एडोसीसीसी)
महत्त्वपूर्ण तिथियाँ	
ऑनलाइन पंजीकरण शुरू होने की तिथि	22/05/2026
ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि	12/06/2026
विस्तृत विवरण एवं अद्यतन जानकारी के लिए	www.cuh.ac.in देखें।
कुलसचिव	

तनाव की आशंका के चलते कई लोग हिरासत में लिए

हरिभूमि न्यूज़►नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने शनिवार को 'काँकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान दो समूहों के बीच संभावित टकराव को रोकने के लिए करीब आधा दर्जन लोगों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि हिरासत में लेने की यह कार्रवाई कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियातन की गई, क्योंकि ऑनलाइन आंदोलन के समर्थन और विरोध में जुटे लोगों के बीच तनाव की आशंका की सूचना मिली थी।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह कदम स्थिति को नियंत्रित रखने और प्रदर्शन को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से उठाया गया। 'काँकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दीपके के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में सैकड़ों लोग शामिल हुए, जिनमें अधिकतर छात्र और युवा पेशेवर थे। प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर पर एकत्र हुए और परीक्षा एवं भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। अधिकारियों ने बताया कि छह लोगों को उस समय

ट्रांसपोर्ट विभाग ने बदले ई रिक्शा ड्राइविंग लाइसेंस के नियम

नई दिल्ली। दिल्ली में आज ई-रिक्शा लाइसेंस का नियम बदल गए है और इनके डीलरों के सर्टिफिकेट पर भी रोक लग गई है। दिल्ली परिवहन विभाग ने ई-रिक्शा चालकों के लाइसेंस के लिए डीलरों द्वारा जारी प्रशिक्षण प्रमाणपत्र पर रोक लगा दी है। अब लाइसेंस के लिए आवेदकों को सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थानों से ही 10 दिन का प्रशिक्षण लेना पड़ेगा, जिसके बिना लाइसेंस नहीं बनेगा। सरकार ने यह कदम राजधानी में ई रिक्शा से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए उठाया है। बता दें कि इससे पहले सरकार के आदेश में कनेक्ट्रिवर द्वारा डीलर के माध्यम से यह प्रशिक्षण दिलाए जाने की व्यवस्था थी। नगर सरकार को ऐसी सूचनाएं मिल रही थीं कि कई जगह कनेक्ट्रिवर के माध्यम से डीलरों द्वारा चालकों को यह प्रशिक्षण नहीं दिलाया जा रहा है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए
मेरे सम्बन्ध परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी मोहम्मद अदनान पुत्रः मोहम्मद एजाज, पताः मकान नं. 6278, 41वा रोड, गली मालवारी, सदर बाजार, दिल्ली FIR No. 402/2020, U/s: नववा किरा: कश्मीरी गेट, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त मोहम्मद अदनान, मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त मोहम्मद अदनान, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त मोहम्मद अदनान, FIR No. 402/2020, U/s: 411 IPC, पुलिस थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के सम्बन्ध (या मेरे सम्बन्ध) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 17.07.2026 को या उससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार नैयब गर्ग
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-11 (केंद्रीय) कमरा नं. 138 तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/7088/N/2026 (Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए
मेरे सम्बन्ध परिवाद किया गया है कि अभियुक्त भानू प्रताप, पुत्रः श्री महेश चंद, पताः मकान नं. आर-621, कैंप नं. 5, ज्वाला पुरी, दिल्ली ने मुकदमा FIR No. 966/2023, U/s 323/341/506 IPC, थानाः पश्चिम विहार वेस्ट, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त भानू प्रताप मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त भानू प्रताप फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा FIR No. 966/2023, U/s 323/341/506 IPC, थानाः पश्चिम विहार वेस्ट, दिल्ली के उक्त अभियुक्त भानू प्रताप से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के सम्बन्ध (या मेरे सम्बन्ध) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 28.07.2026 को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार श्री अंकित करण सिंह
महानगर दण्डाधिकारी – 08 (पश्चिम) कमरा नं. 30, तीस हजारी कोर्ट, नई दिल्ली
DP/7524/OD/2026 (Court Matter)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ (हरियाणा) - 123031 स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण आरंभ शैक्षणिक सत्र: 2026-27	
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ निम्नलिखित कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित सीयूईटी (पीजी) -2026 परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों से ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म आमंत्रित करता है।	
स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रम	
एच.एच.एस. अर्थशास्त्र, इतिहास एवं पुरातत्व, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, हिंदी, पत्रकारिता एवं जनसंचार, संस्कृत, हिंदी अनुवाद, हिंदू अध्येत	एम.पी.एड. शारीरिक शिक्षा एवं खेलकुद
एम.एससी. डाटा साइंस, जियोइकोस्टेटिक्स, रसायन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, भूगोल, गणित, भौतिकी, सांख्यिकी, सूक्ष्म जीवविज्ञान, जैव रसायन विज्ञान, पोषण जीवविज्ञान, जैवभूगोषिकी, योग	एमबीबी (टीटीएम) एमबीबी-एग्रिकल्चर एंड डेवेलपमेंट
एम.टेक. पर्यायी सिस्टम एंड मैनेजमेंट, दूरस्थ शिक्षा निर्माण, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग	एम.एड. / बी.एड.
विधि एलएलबी (3 वर्षीय), एलएलएम	एमबीए प्रबंधन अध्ययन
एमसीए कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन हिंदीकॉलेज साइकलॉजी (पीजीसीआरबी)
एम.बिब. एंड डब्ल्यू. साइंस लाइवरी एंड इनफार्मेशन साइंस	एडवांस्ड डिप्लोमा इन चाइल्ड गार्डईंस एंड कंसल्टिंग (एडोसीसीसी)
महत्त्वपूर्ण तिथियाँ	
ऑनलाइन पंजीकरण शुरू होने की तिथि	22/05/2026
ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि	12/06/2026
विस्तृत विवरण एवं अद्यतन जानकारी के लिए	www.cuh.ac.in देखें।
कुलसचिव	

खबर संक्षेप

मीकम कॉलोनी में दोस्त की गोली मारकर हत्या
फरीदाबाद। बीते 21 अप्रैल को भीकम कॉलोनी में एक युवक अभय ने अपने दोस्त योगेश के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटनाक्रम के संबंध में क्राईम ब्रांच सेक्टर-65 की टीम ने हथियार लाने वाले आरोपी अनिकेत निवासी भीकम कालोनी बल्लभगढ़ को 5 जून को गुडगांव केनाल सेक्टर 3 के पास से गिरफ्तार किया है। अनिकेत मुख्य आरोपी अभय का बड़ा भाई है। पुलिस के अनुसार आरोपी अनिकेत देसी कट्टा व एक कारतूस को आगरा से 3500 रुपये में लेकर आया था, जिसको उसने अपने घर के एक कमरे में छुपा कर रखा हुआ था। उस हथियार से आरोपी के भाई अभय ने योगेश की गोली मार का हत्या कर दी थी। घटना के बाद से ही वह फरार हो गया था।

नितरा की देश के वख्र क्षेत्र में अहम भूमिका

गाजियाबाद। नितरा देश के वख्र एवं तकनीकी वख्र क्षेत्र में नवाचार, प्रौद्योगिकी विकास तथा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह बात शनिवार को नितरा के महानिदेशक डॉ. एमएस परमार ने एक प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में नितरा द्वारा किए गए अनेक महत्वपूर्ण कार्यों के पीछे भारत सरकार के वख्र मंत्रालय का निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा है। दूरदर्शी नेतृत्व, सतत मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के कारण नितरा को कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परियोजनाओं पर कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि नितरा, भारत सरकार के वख्र मंत्रालय द्वारा स्थापित एवं प्रोटेक्टिव टेक्सटाइल्स के लिए नामित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में कार्य कर रहा है।

फाइलों के गुम होने का डर हुआ खत्म, ई ऑफिस से फाइलों का रख रखाव आसान नगर निगम में ई ऑफिस की शुरुआत, पारदर्शिता और समय की बचत के साथ हार्डटेक हुई विभागों की कार्यशैली

हरिभूमि न्यूज ►►गाजियाबाद

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में ई ऑफिस की शुरुआत की गई है। सभी विभागों की ई ऑफिस के माध्यम से चल रही है तथा फाइलन अप्रुवल के लिए भी ई ऑफिस का माध्यम अपनाया जा रहा है। विभागों के अधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर तथा लिपिक भी ई ऑफिस के माध्यम से ही फाइलों को आगे बढ़ाया जा रहा है। निर्माण विभाग, स्वास्थ्य, जलकल, प्रकाश विभाग और उद्यान विभाग की फाइल ऑफिस के माध्यम से आगे बढ़ाई जा रही है। गाजियाबाद नगर निगम की गाजिंशाली हार्डटेक हो रही है। फाइलों का रखरखाव ई ऑफिस के माध्यम से होने पर न केवल कार्य में

विभिन्न क्षेत्रों में पौधारोपण कर स्थानीय जैव विविधता को बचाए रखने का भागीरथ प्रयास

हरिभूमि न्यूज ►►गुरुग्राम

मानेसर के पास अरावली की पहाड़ियों में पीपल व बरगद जैसे बड़े व छायादार वृक्षों के पौधों का नर्सरी तैयार कर उन्हें गुरुग्राम व एनसीआर के विभिन्न क्षेत्रों में पौधारोपण कर स्थानीय जैव विविधता को बचाए रखने का भागीरथ प्रयास करने वाले पर्यावरणविद् पीपल बाबा के नाम से प्रसिद्ध स्वामी प्रेम ने अबतक करीब ढाई करोड़ पेड़ लगा चुके हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पीपल बाबा ने पेंगुइन द्वारा प्रकाशित अपनी पुस्तक



'पीपल की छांव में' ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अमेजन पर लांच किया है। उन्होंने पौधारोपण की करीब पांच दशक की यात्रा की सफलता का श्रेय पर्यावरण को समर्पित संस्था 'गोव मी ट्रीज ट्रस्ट' के कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों व दानदाताओं को दिया, जिन्होंने कदम-दर-कदम उनका साथ दिया। उनकी नानी ने इस कार्य के लिए 25 पैसे दिए और जब यह यात्रा शुरू हुई तो किसी ने 5-10 रुपये, पौधे देने की पुरानी साइकिल, सिंचाई को पाइप, मिट्टी देने को बांस की खाची-टोकरी जैसे छोटी-छोटी जरूरत की चीजें दीं। उन्होंने बताया, किताब

लिखने का संयोग नवंबर 2024 में एक सड़क दुर्घटना के बाद बना। 'पीपल की छांव में' पुस्तक भारतीय मानसिकता का प्रतीक है, जो संस्कृति, शास्त्रों, मिथकों और स्मृतियों में रची-बसी है। पीपल-बरगद ने तो उन्हें बचपन से ही आकर्षित किया है। लॉकडाउन के दौरान भी पौधों की देखभाल करते रहे। उन्होंने बताया कि केवल गुरुग्राम या एनसीआर क्षेत्र ही नहीं बल्कि, देश के करीब 22 राज्यों में 2.7 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में पौधारोपण का कार्य चलाया है। इस मुहिम का उद्देश्य पीपल और बरगद के पौधों का रोपण व संरक्षण करना है।

गोडावण की वापसी का जश्न मनाया
गुरुग्राम। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत के सबसे दुर्लभ पक्षियों में शुमार गोडावण (बेट इंडियन बस्टर्ड) के संरक्षण को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिल्ली के ऐतिहासिक स्मारक कुतुब मीनार पर गोडावण एस्ट्यूरी प्रीमियम वॉटर के सहयोग से एक भव्य प्रोजेक्शन शो आयोजित किया गया, जिसमें इस पक्षी के अस्तित्व के संघर्ष और इसकी वापसी की कहानी को बेहद आकर्षक अंदाज में प्रस्तुत किया गया।

श्रमिकों को कैंसर रोग के विरुद्ध उच्चतम कोटि का इलाज प्राप्त होगा
कर्मचारी राज्य बीमा निगम क्षेत्रीय कार्यालय हरियाणा और होमी भाभा टाटा स्मारक केंद्र के मध्य हुआ करार

हरिभूमि न्यूज ►►फरीदाबाद

हरियाणा क्षेत्र के बीमाकृत व्यक्तियों को बेहतर चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम क्षेत्रीय कार्यालय हरियाणा निरंतर प्रयासरत है। अति विशिष्ट उपचार करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालय हरियाणा ने करार किया है। इसी कड़ी में सरकार के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के साथ भी करार किए जा रहे हैं, जिससे श्रमिकों को उच्चतम कोटि का इलाज प्राप्त हो सके। इस कड़ी में समस्त प्रकार के कैंसर इलाज के लिए टाटा स्मारक केंद्र को इकाई होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, पंजाब के साथ करार किया गया है। पंजाब स्थित इस केंद्र के दो अस्पतालों होमी भाभा कैंसर अस्पताल तथा अनुसंधान केंद्र न्यू चंडीगढ़ तथा होमी भाभा कैंसर अस्पताल संगरूर के माध्यम से बीमाकृत व्यक्तियों को निःशुल्क इलाज मिल पाएगा। न्यू चंडीगढ़ स्थित अस्पताल में 300 बिस्तर की क्षमता है वहीं संगरूर स्थित अस्पताल में 125 बिस्तर की क्षमता है। बीमाकृत व्यक्तियों को यहां परामर्श, जांच, कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी तथा सर्जरी की सुविधा देने के लिए अनुबंध किया गया है।

इस अवसर पर बोलते हुए होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, पंजाब



के निदेशक डॉ. आशीष गुलिया ने कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम क्षेत्रीय कार्यालय हरियाणा के साथ पेनल में आने से समाज के सभी वर्गों को गुणवत्तापूर्ण कैंसर देखभाल देने के हमारे लक्ष्य में एक और महत्वपूर्ण नाम जुड़ गया है। यह संस्थान मरीजों के लिए उच्चतम कोटि का इलाज देने तथा आर्थिक कारणों से उपचार के लिए किसी को वंचित न रहने देने के अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्प है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय हरियाणा के राज्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिषेक राय ने इस करार को करने में अहम भूमिका निभाई है, उनका कहना है कि यह करार हरियाणा के बीमाकृत व्यक्तियों और सम्पूर्ण हरियाणा में

निवास कर रहे बीमाकृत व्यक्तियों के लिए एक वरदान की तरह साबित होगा। अभी तक इस प्रकार की व्यवस्था से वे वंचित थे लेकिन अब टाटा स्मारक केंद्र जैसे विश्व विख्यात संस्थानों से भी बीमाकृत व्यक्ति इलाज प्राप्त कर सकेंगे, यह बहुत खुशी की बात है। हरि ओम प्रकाश, क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय हरियाणा ने इस अवसर पर होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, पंजाब के निदेशक डॉ. आशीष गुलिया का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम बीमाकृत व्यक्तियों के हर संभव उपचार के लिए प्रयासरत है।

यथार्थ हॉस्पिटल ने ब्रेन ट्यूमर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर उपचार पर दिया जोर

फरीदाबाद। विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस के अवसर पर फरीदाबाद के सेक्टर-20 स्थित यथार्थ हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने आज ब्रेन ट्यूमर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विशेष जन-जागरूकता सत्र आयोजित किया। इस कार्यक्रम में ब्रेन ट्यूमर की जल्द पहचान, समय पर उपचार और आधुनिक डायग्नोस्टिक एवं सर्जिकल तकनीकों के महत्व पर प्रकाश डाला गया, जो मरीजों के उपचार परिणामों को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को शुरुआती चेतावनी संकेतों की पहचान करने, इलाज में देरी से बचने और लगातार ब्यूरोक्रासिकल लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सकीय जांच कराने के लिए प्रेरित करना था। डॉक्टरों ने बताया कि लगातार सिरदर्द, दौरे पड़ना, बिना किसी स्पष्ट कारण के उल्टी होना, दृष्टि में बदलाव, हाथ-पैरों में कमजोरी या सुन्नपन, बोलने में कठिनाई, याददाश्त संबंधी समस्याएं तथा व्यवहार या व्यक्तित्व में बदलाव जैसे लक्षणों को गंजर अंदाज नहीं करना चाहिए।



चारों पर 50-50 हजार रुपए का इनाम घोषित था

हरिभूमि न्यूज ►►गाजियाबाद

दूध कारोबारी ओमकार हत्याकांड के चार आरोपियों को लोनी पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चारों पर 50-50 हजार रुपए का इनाम घोषित था। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि रंजिश के कारण उन्होंने कारोबारी का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी थी तथा शव को नहर में फेंक दिया था। डीसीपी ग्रामीण एसएन तिवारी ने बताया कि 30 मई को थाना लोनी पर सुरेंद्र निवासी ग्राम गनोली ने पुलिस में तहरीर दी थी कि गौरव, सौरभ

दूध कारोबारी ओमकार हत्याकांड के 4 आरोपी पुलिस मुठभेड़ में अरेस्ट



उर्फ भोला, गोपाल,मोहित निवासी ग्राम गनौली व गौरव निवासी बादलपुर गौतमबुद्धनगर ने उसके भाई गोली मारकर अपहरण कर गाड़ी में जबरन डाल कर अपने साथ ले गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घटना के अनावरण व गिरफ्तारी के लिए कई पुलिस टीमों का गठन किया। थाना लोनी पुलिस टीम

ने सीसीटीवी कैमरे, सर्विलांस व मैनुअल इनपुट के आधार पर मोहित व गौरव को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया जा चुका है।वांछित अभियुक्तगण को संरक्षण देने विपिन निवासी ग्राम मसीठा थाना सिकन्दराबाद जनपद गौतमबुद्ध नगर, प्रदीप निवासी ग्राम माधोगढ़ी थाना सिकन्दराबाद जिला गौतमबुद्ध नगर, लोकेश पुत्र राकेश निवासी ग्राम चिटी थाना दनकोर जिला गौतमबुद्ध नगर, जितेन्द्र भाटी निवासी ग्राम चिटी थाना दनकोर जिला गौतमबुद्ध नगर को अरेस्ट किया।

तोड़फोड़ के विरोध में कांग्रेस का बड़ा ऐलान, आज महापंचायत और अनिश्चितकालीन धरने की घोषणा

फरीदाबाद। आरआरटीएस और एलिवेटेड रोड परियोजना की आड़ में नेहरू कॉलोनी में की गई प्रशासन द्वारा की जा रही तोड़फोड़ के विरोध में कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी एवं पूर्व मंत्री महेंद्र प्रताप सिंह के पुत्र विजय प्रताप सिंह तथा जिला कांग्रेस कमेटी फरीदाबाद के अध्यक्ष बलजीत कौशिक ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर लोगों से मुलाकात की और उनके हालात का जायजा लिया ।

मधुबन बापूधाम आवासीय भूखण्ड योजना को अभूतपूर्व जनसमर्थन
350 भूखण्डों के लिए 42 हजार से अधिक लोगों ने किया आवेदन

हरिभूमि न्यूज ►►गाजियाबाद

विकास प्राधिकरण द्वारा मधुबन बापूधाम में प्रारम्भ की गई आवासीय भूखण्ड योजना को नागरिकों से अभूतपूर्व प्रतिसाद प्राप्त हुआ है। योजना में उपलब्ध मात्र 350 आवासीय भूखण्डों के सापेक्ष शनिवार तक तक कुल 42,511 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो इस योजना की लोकप्रियता तथा गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की योजनाओं के प्रति आमजन के गहरे विश्वास को दर्शाता है।

योजना के अंतर्गत 40 वर्गमीटर से 200 वर्गमीटर तक के कुल 350 आवासीय भूखण्ड विभिन्न श्रेणियों में उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें 200, 150, 120, 115, 112.5, 90, 60 एवं 40 वर्गमीटर आकार के भूखण्ड सम्मिलित हैं। योजना में आवंटन दर 35,000 प्रति वर्गमीटर निर्धारित की गई है, जो वर्तमान बाजार मूल्य की तुलना में अत्यंत प्रतिस्पर्धी एवं आमजन के लिए आकर्षक है।

उल्लेखनीय है कि गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा लंबे अंतराल के बाद इस प्रकार की आवासीय भूखण्ड योजना प्रारम्भ की गई है। यही कारण है कि प्रदेश सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न शहरों से बड़ी संख्या में लोगों ने योजना में रुचि दिखाई है। योजना की विशेष अवस्थिति, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी, विकसित



आधारभूत सुविधाएं तथा प्राधिकरण की विश्वसनीयता ने इसे अत्यधिक लोकप्रिय बनाया है।

योजना के अंतर्गत आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ होने के पश्चात नागरिकों की भारी मांग को देखते हुए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 04 जून 2026 किया गया था, जिससे अधिकाधिक इच्छुक आवेदकों को अवसर प्राप्त हो सके। विस्तारित अवधि के दौरान भी

आवेदनकर्ताओं का उत्साह लगातार बना रहा।

प्राप्त आवेदनों के साथ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को अब तक लगभग 1,334.40 करोड़ की धनराशि प्राप्त हो चुकी है। यह राशि योजना के प्रति नागरिकों के असाधारण विश्वास तथा निवेशकों एवं गृहस्वामित्व की इच्छा रखने वाले परिवारों के उत्साह का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

मधुबन बापूधाम योजना की प्रमुख विशेषताओं में आरआरटीएस एवं रेलवे स्टेशन के निकट अवस्थिति, एनएच-58 एवं हापुड़ रोड से उत्कृष्ट संपर्क, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से सुगम पहुंच, 24x7 जलापूर्ति की व्यवस्था तथा विकसित सामाजिक एवं सार्वजनिक अवसररचना शामिल हैं। इन सुविधाओं के कारण यह योजना आवासीय निवेश के लिए अत्यंत आकर्षक विकल्प बनकर उभरी है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने नागरिकों द्वारा प्रदर्शित विश्वास के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्राधिकरण भविष्य में भी जनहित को केंद्र में रखकर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मधुबन बापूधाम योजना को प्राप्त अभूतपूर्व प्रतिसाद यह दर्शाता है कि नागरिक नियोजित एवं सुव्यवस्थित शहरी विकास की अवधारणा पर भरोसा रखते हैं तथा प्राधिकरण की योजनाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं।

हैड कांस्टेबल 2500 रिश्वत लेता अरेस्ट
फरीदाबाद। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने सेक्टर-सात पुलिस चौकी में तैनात हैड कांस्टेबल रणबीर को बाइक वापस दिलाने के नाम पर 2500 रुपये रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद एसीबी टीम आरोपी पुलिससकर्मों को अपने साथ ले गई और मामले की जांच शुरू कर दी है। सोमवत नामक युवक को बाइक 4 मई को सेक्टर-सात क्षेत्र से गायब हो गई थी। युवक ने बाइक नहीं मिलने पर सेक्टर-सात पुलिस चौकी में शिकायत दी थी। जांच में सामने आया कि बाइक चोरी नहीं हुई थी, बल्कि फाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों ने बाकायदा किस्तों के चलते उसे उठाकर सीकरी स्थित अपने वाक्या में खड़ा कर दिया था। इसके बाद पुलिस बाइक को यार्ड से चौकी ले आई और इसकी सूचना शिकायतकर्ता को दी गई। बाइक वापस लेने के लिए जब सोमदत्त चौकी पहुंचा तो हेड कांस्टेबल रणबीर ने उससे रुपये की मांग की। तीन-चार दिनों से लगातार पैसे मांगे जाने से परेशान होकर युवक ने एंटी करप्शन ब्यूरो से शिकायत कर दी। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी ने योजना बनाकर कार्रवाई की। शनिवार सुबह शिकायतकर्ता को 2500 रुपये देकर पुलिस चौकी भेजा गया। जैसे ही हेड कांस्टेबल ने शिकायतकर्ता से रुपये लेकर अपनी जेब में रखे, बाहर मौजूद एसीबी टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में ले लिया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **फहीम** पुत्र रियानुद्दीन निवासी के-201, जेजे कॉलोनी, न्यू उत्तमानपुर, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 24/2023 धारा 379/411/34 भा.दं.सं. थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **फहीम** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **फहीम** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा **धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता** की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 24/2023 धारा 379/411/34 भा.दं.सं. थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **फहीम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **28.07.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: **श्री वैभव गर्ग,**
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-11, (केंद्रीय),
कमरा संख्या 138, प्रथम मंजिल,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली ।

DP/7455/N/2026

अभियुक्ता की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.PC. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्ता **सुशी देव रानी**, प्रोपराइटर, मेसर्स जागृति इम्फोटेक, निवासी 1454ए/13, गली नंबर 13, तीसरी मंजिल, गोविंदपुरी, नई दिल्ली ने **सीटी केस संख्या 6127/2020 धारा 138 एनआईएच धारा कालकाजी, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सुशी देव रानी** मिल नहीं रही है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सुशी देव रानी** फरार हो गयी है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रही है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा **धारा 82 Cr.PC.** की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **सीटी केस संख्या 6127/2020 धारा 138 एनआईएच धारा कालकाजी, नई दिल्ली** की उक्त अभियुक्ता **सुशी देव रानी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **10.07.2026** को हाजिर हो।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (एनआईएच प्रतिनियोग)-02,
कमरा संख्या 609, दक्षिण-पूर्व जिला,
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली ।

DP/7567/SE/2026

खबर संक्षेप

राबड़ी देवी की तबीयत खराब, तेज प्रताप पहुंचे पटना। पूर्व सीएम राबड़ी देवी की तबीयत खराब हो गई। उनके बेटे तेज प्रताप उनसे मिलने पहुंचे।



कहा कि मां बीमार हैं। दूसरी ओर लालू परिवार ने सुबह सरकार की ओर से मुहैया कराई गई सुरक्षा को वापस कर दिया। आवास में तैनात गार्ड को लौटा दिया। सम्राट सरकार ने आरजेडी के सुप्रिभो लालू यादव और उनकी पत्नी राबड़ी की जेड प्लस सुरक्षा खत्म कर बिहार पुलिस की विशेष सुरक्षा दी थी।

कोल इंडिया का उत्पादन बढ़ा, रोजगार घटा

धनबाद। देश में कोयला उद्योग के राष्ट्रीयकरण के 50 वर्ष पूरा हो गया है। पांच दशकों में कोयला उत्पादन,



कारोबार व तकनीक ने नई ऊंचाइयों को छुआ है, वहीं श्रमिकों की संख्या घटती गई। राष्ट्रीयकरण के बाद से राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता 12वें वेतन की दहलीज पर पहुंच चुका है, लेकिन 7 लाख 80 हजार से श्रमिकों से चलने वाला उद्योग महज 2.14 लाख कर्मचारियों तक सिमट गया है।

हिंदू-मुस्लिम राजनीति पर चंद्रशेखर का हमला

शामली। जिले के बनत क्षेत्र में आयोजित सत्ता परिवर्तन यात्रा के दौरान आजाद समाज पार्टी के



राष्ट्रीय अध्यक्ष और चंद्रशेखर आजाद ने केंद्र व राज्य सरकार पर निशाना साधा। कहा कि हिंदू-मुस्लिम की राजनीति से देश का भला नहीं हो सकता और जनता के वास्तविक मुद्दों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से सामाजिक एकता बनाए रखने की अपील की।

अविमुक्तेश्वरानंद ने फिर केंद्र और यूपी सरकार को घेरा
बूचड़खानों से चंदा लेकर सरकार चला रही भाजपा

एजेसी ►► मैनपुरी

गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए 81 दिवसीय गोरक्षा यात्रा पर निकले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने एक बार फिर केंद्र और यूपी सरकार का घेराव किया। मैनपुरी के करहल विधानसभा क्षेत्र के गांव में रात्रि विश्राम करने पहुंचे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग करके सत्ता में आने वाली केंद्र और राज्य सरकार ने गाय को दर-दर की ठोकरें खाने पर मजबूर कर दिया है। वेदों में भी गाय को माता कहा गया। लेकिन यह सरकार बूचड़खानों से चंदा लेकर सरकार चला रही है और गाय को राष्ट्र माता का दर्जा देने से बच रही है।

पेज एक का शेष वैश्विक चुनौतियों के...

शामिल रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। पूर्व में पिछले महीने राष्ट्रीय राजधानी में हुए ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए भी इंडोनेशिया के विदेश मंत्री ने भारत की यात्रा की थी। जिसमें उन्होंने डॉ.जयशंकर के साथ एक द्विपक्षीय बैठक भी हुई थी।

जेसीएम का महत्व : दोनों देशों के बीच होने वाली जेसीएम की बैठक इंडोनेशिया के विदेश मंत्री की भारत यात्रा का सबसे आकर्षक बिंदु है। जिससे यह उम्मीद की जा सकती है कि यह उच्च-स्तरीय आयोजन इस साल की शुरुआत में की गई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की भारत यात्रा के दौरान जताई गई प्रतिबद्धताओं में हुई प्रगति की समीक्षा करने के लिए एक उपयुक्त मंच के रूप में सबके सामने आएगा।

तेल की कीमतों...

के भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संभावित प्रभावों का आकलन किया गया। चर्चाओं में भू-राजनीतिक अस्थिरता के ऊर्जा बाजारों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, महंगाई और वैश्विक व्यापार प्रवाह पर संभावित प्रभाव को शामिल किया गया, ये सभी मुद्दे दुनिया भर के नीति-निर्माताओं के लिए प्रमुख चिंता का विषय बने हुए हैं। यह विचार-विमर्श ऐसे समय में हो रहा है, जब सरकार ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितता और भारत सहित प्रमुख आयातक देशों पर इसके संभावित प्रभाव के बीच क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रही है।

पीएम मोदी ने

और आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान तक के लगातार वैश्विक संकटों का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा था कि ईंधन की कीमतों में

संयुक्त टीम को दो माह में सर्वे कार्य पूरा करने के लिए निर्देश

एजेसी ►► लखनऊ
शामली-गोरखपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के लिए पीलीभीत जिले में सर्वे शुरू हो गया। बीसलपुर और सदर तहसील के 48 गांवों में सर्वे कार्य कराया जा रहा है। इन गांवों में भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा।

शामली-गोरखपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज हो गई है। ये एक्सप्रेसवे पीलीभीत जिले में बीसलपुर और सदर तहसील के 48 गांवों से होकर गुजरेगा। इसके गजट की अधिसूचना जारी होने के बाद सर्वे कार्य शुरू हो गया है। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देश पर नेशनल हाईवे (एनएच) की कंसल्टेंसी, एनएचआई और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम सर्वे कर रही है। एलाइनमेंट होने के बाद सर्वे में यह देखा जा रहा है कि किस गांव के कितने



किसानों की भूमि एक्सप्रेसवे में आ रही है। वर्तमान में भूमि पर निर्माण हे या खेती हो रही है। संयुक्त टीम को दो माह में सर्वे कार्य पूरा करने के निर्देश जारी किए गए हैं। सर्वे कार्य करते हुए 15 दिन हो गए।

एक्सप्रेसवे के बनने के बाद गांवों की किस्मत और दिशा दोनों बदल जाएगी। रोजगार को बढ़ावा मिलने के साथ जमीन की कीमतों में भी भारी उछाल आने की उम्मीद है।

सीएम ने गोंडा में 516 करोड़ की लागत वाली 262 परियोजनाओं लोकार्पण और शिलान्यास किया, बोले-

2017 से पहले दुर्गा पूजा पर दंगे होते थे अब रंग में कोई भी भंग नहीं डाल सकता

गोंडा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सपा के शासन को लेकर समाजवादी पार्टी को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कहा कि भाजपा की सरकार से पहले यहां रामलीला में अड़ंगे डाले जाते थे।

► कुर्सियों पर खड़े होकर लोगों ने सुना भाषण
► 'बुलडोजर बाबा' के नारों से गूंजा पंडाल

एजेसी ►► गोंडा

यूपी के गोंडा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोंडा में जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्ववर्ती सपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले प्रदेश में कर्फ्यू, दंगे और अराजकता का माहौल था। 2015-16 में गोंडा में दुर्गा पूजा के समय दंगा करने का प्रयास हुआ था और मां दुर्गा की मूर्ति का विसर्जन तक नहीं होने दिया जाता था।

मंच पर बृजभूषण के बेटे करण भी साय



मंच पर स्वागत उद्घोषण में कैसरगंज लोकसभा सांसद करण भूषण सिंह ने अपने भाषण में सीएम को बुलडोजर बाबा कहकर संबोधित किया। उनके इतना कहते ही पंडाल में जय श्री राम व बुलडोजर बाबा की जय के उद्घोष हुआ। वहीं, मुख्यमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि गोंडा ऊर्जावान जनपद है। यहां के युवा ऊर्जावान, अन्नदाता किसान परिश्रमी और बहनें व बेटियां प्रतिभाशाली हैं। इस पर पंडाल में भाजपा के झंडे लहराते रहे। लोग कुर्सियों पर खड़े होकर सीएम का भाषण सुनते नजर आए।

गोंडा का पौराणिक व स्वाधीनता संग्राम में महत्वपूर्ण इतिहास

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब रंग में कोई भंग नहीं डाल सकता. सभी शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाते हैं, जो रंग में भंग डालने की कोशिश करेगा, उसका वर्तमान तो जाएगा ही, भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा। उन्होंने जनता से अपील की कि अल्टी सरकार चुने, क्योंकि खराब सरकार चुनने का खामियाजा जनता को भुगतान पड़ता है। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोंडा के कटरा और कनलगंज विधानसभा क्षेत्रों में 516 करोड़ रूपए की लागत से 262 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। सीएम योगी ने कहा कि गोंडा का अपना पौराणिक और स्वाधीनता संग्राम में महत्वपूर्ण इतिहास है, लेकिन आजादी के बाद तुष्टिकरण, भाई-भतीजावाद और जातिवाद की वजह से जनपद विकास की दौड़ से पीछे छूट गया। नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था।

सपा के 'पीडीए' पर भाजपा का महाप्लान!

अगस्त तक यूपी का कोना कोना नापेंगे पंकज चौधरी



एजेसी ►► लखनऊ

उत्तर प्रदेश में भाजपा विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी में जुटी हुई है। इसी सिलसिले में यूपी भाजपा के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने चुनाव का प्लान तैयार कर लिया है। पंकज चौधरी जल्द ही यूपी के जिलों के दौरे शुरू करेंगे। वे अगस्त तक राज्य के सभी 75 जिलों के दौरे कर लेंगे। माना जाता है कि उनके यह दौरे अगले साल फरवरी-अगस्त में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए हो रहे हैं।

चौधरी से मंत्री पद का जिम्मा वापस लेने की चर्चा

भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी के नामने आने वाले विधानसभा चुनाव की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। पंकज चौधरी केंद्र सरकार के वित्त राज्यमंत्री भी हैं। चर्चा चल रही है कि चूंकि उनको विधानसभा चुनाव में पार्टी के राज्य संगठन की अहम भूमिका निभानी होगी इसलिए उनकी केंद्रीय मंत्री के पद से हटाना जा सकता है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की सत्ता बरकरार रखना बीजेपी कते सामने एक चुनौती है। बीजेपी 2017 से यूपी की सत्ता संभाल रही है और वह इसे किसी कीमत पर खोना नहीं चाहती। ऐसी इंसलिफ उनकी केंद्रीय मंत्री जाता है कि यूपी के नतीजे केंद्र सरकार का भी भविष्य तय करते हैं।

अनुसूचित जाति के नेता को मौका रास के लिए जेएमएम ने किया उम्मीदवार घोषित



एजेसी ►► रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने आगामी राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी है। पार्टी के महासचिव और मुख्य प्रवक्ता सुप्रिया भट्टाचार्य ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वरिष्ठ नेताओं से विचार-विमर्श के बाद पार्टी की केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष, पूर्व मंत्री और अनुसूचित जाति समाज के प्रमुख नेता बैजनाथ राम को राज्यसभा चुनाव के लिए अधिकृत उम्मीदवार घोषित किया है।

यूपी-बिहार-झारखंड हरिभूमि 5
बीसलपुर के 39 तो सदर तहसील के 9 गांव

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बीसलपुर तहसील के 39 गांवों से होकर गुजरेगा। तहसील क्षेत्र के बिलसंडा ब्लॉक के गांव तिलसंडा, बमरोली, लिलहर, मोरपुर हरायपुर, रामपुर अमृत, मुड़गावा, सुहेला, ईंटगांव, विरसिंगपुर, महेशपुर के अलावा बीसलपुर ब्लॉक के कटकवारा, बरखंडा यासीन, बिहारीपुर हीरा, अटकोना, बहादिया, विरसिंगपुर, नौगवां संतोष व जोगीठेर और सदर तहसील के चार नवाब और गुल्मीया जाफरपुर सहित नौ गांव से गुजरेगा। मई माह में 48 गांवों के गजट की अधिसूचना जारी की गई।

इन जिलों से होते हुए गुजरेगा एक्सप्रेसवे

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, एक्सप्रेसवे-शामली से शुरू होकर मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, रामपुर होते हुए बरेली में बहेड़ी तहसील क्षेत्र से होकर गुजरेगा। यहां से नवाबगंज तहसील के कुछ गांवों के बाद पीलीभीत जिले की तहसील सदर के नौ गांव और बीसलपुर तहसील क्षेत्र के 39 गांवों से होकर गुजरेगा। इसके बाद शाहनवापुर के पुर्वांचल तहसील से लखीमपुर खीरी होते हुए कई अन्य जिलों से गुजरेते हुए गोरखपुर तक जाएगा।

उपेंद्र कुशवाहा बोले- इंतजार कीजिए बेटे दीपक का मंत्री पद संकट में 9 एमएलसी कैंडिडेट में नाम नहीं



एजेसी ►► पटना

बिहार विधान परिषद चुनाव को लेकर एनडीए की कैंडिडेट लिस्ट में उपेंद्र कुशवाहा के बेटे एवं सम्राट सरकार में मंत्री दीपक प्रकाश का नाम नहीं है। उनके मंत्री पद पर संकट मंडरा रहा है। कुशवाहा एनडीए के शीर्ष नेताओं के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि अभी दो दिन बाकी है, इंतजार कीजिए।

4-4 भाजपा एवं जेडीयू ,1 चिराम पासवान के लोक जनशक्ति पार्टी को

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश के मंत्री पद पर संकट मंडरा रहा है। बिहार विधान परिषद की 9 सीटों पर चुनाव और 1 सीट पर उपचुनाव के लिए एनडीए में 9 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। इनमें 4-4 भाजपा एवं जेडीयू के हैं, जबकि एक कैंडिडेट चिराम पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामतिलास) ने उतारा है। एनडीए के एमएलसी कैंडिडेट में सम्राट सरकार में मंत्री दीपक प्रकाश का नाम नहीं है। वह अभी किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। मंत्री पद पर बनाए रखने के लिए कुशवाहा अपने बेटे को एमएलसी बनाने की जुगत में लगे हुए हैं। वह एनडीए के शीर्ष नेताओं के संपर्क में हैं।

18 जून को 10 सीटों के लिए होगा मतदान

राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि अभी एमएलसी चुनाव के नमामंज खत्म होने में दो दिन बाकी हैं। तब तक इंतजार कीजिए। उन्होंने कहा कि वह एनडीए के शीर्ष नेताओं से बात कर रहे हैं। बिहार विधान परिषद में विधानसभा कोटे की 9 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव हो रहे हैं। वहीं, पूर्व सीएम नीतीश कुमार के इस्तीफे से खाली हुई एक एमएलसी सीट पर भी उपचुनाव है। विधानसभा में संख्याबल के अनुसार कुल 10 में से 9 सीटों पर एनडीए की जीत तय है, जबकि एक पर विपक्ष बाजी मार लेगा।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे सम्मक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त नाम **लक्ष्मी नारायण उर्फ बिटटू पुत्रः राखेंद्र प्रसाद, पता: इमरती देवी का घर, गांव पूठ कलां, दिल्ली ने FIR No. 033379/2025 U/S 305(b)/111/3(5) BNS** थाना: कंझावला, दिल्ली, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **लक्ष्मी नारायण उर्फ बिटटू**, मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **लक्ष्मी नारायण उर्फ बिटटू**, फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

आदेशानुसार श्री अयुर्द भारद्वाज DP/7586/RD/2026 जेएमएफसी-02, कमरा नंबर 113, पहली मंजिल (Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे सम्मक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त नाम **सलीम पुत्रः जमील पता: मकान नं. - डी-57, गली नंबर- 6, सुनहरी मस्जिद कांति नगर, दिल्ली,ने FIR NO 485/2016 U/S 393 IPC** थाना: **वेलकम, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सलीम**, मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सलीम**, फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है) ।

आदेशानुसार सुश्री दीपाक्षी राणा DP/7282/NE/2026 जेएमएफसी-03, कमरा नंबर 19 कड़कड़झूमा कोर्ट, दिल्ली

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे सम्मक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त **इशत्याक उर्फ इमरान पुत्र मर्तजा निवासी मकान नंबर 741, गली नंबर 16, फेज-6, शिव विहार, करावल नगर, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 554/2017 धारा 356/379/34 भा.द.स, थाना गोकुलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इशत्याक उर्फ इमरान** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **इशत्याक उर्फ इमरान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **इशत्याक उर्फ इमरान, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 554/2017 धारा 356/379/34 भा.द.स, थाना गोकुलपुरी, दिल्ली** न्यायालय के सम्मक्ष या मेरे सम्मक्ष उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक 10.07.2026 को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से सुश्री श्रुति सारस्वत न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03 कमरा संख्या 22, प्रथम तल, उत्तर-पूर्वी जिला कड़कड़झूमा न्यायालय, दिल्ली DP/7361/NE/2026



48 देशों के 1248 खिलाड़ी, फीफा वर्ल्ड कप-2026 को हासिल करने के लिए आगामी 11 जून से 19 जुलाई तक एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। इस दौरान सिर्फ आयोजक देशों में ही नहीं पूरी दुनिया में रोमांच और जुनून का सुरूर छाया रहेगा। इस ग्रैंड ग्लोबल स्पोर्ट इवेंट में इस बार क्या कुछ होगा खास, क्या होगा पहली बार, इसके तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी

साथा

इसी सप्ताह 11 जून से फुटबॉल के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन फीफा वर्ल्ड कप का आगाज हो रहा है, जो 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। 11 जून से 19 जुलाई 2026 के बीच दुनिया फुटबॉल के रंग में रंगी रहेगी। भले भारत की फुटबॉल टीम अब तक के बेस्ट 48 टीमों वाले विश्व कप का हिस्सा न हो, लेकिन भारत भी इस जुनून का हिस्सा होगा। भारत में इस दौरान तुफानी दिन नहीं रातें होंगी, क्योंकि अमेरिका और लैटिन अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप के मैच जब खेले जाएंगे, उस समय भारत में दिन नहीं रात होगी।

दिखेगा खेलप्रेमियों का उमंग

फुटबॉल के इस विश्व कप को लेकर पूरी दुनिया में गहमा-गहमी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। क्योंकि फुटबॉल के तुफान का रिश्ता सिर्फ खेल भर से नहीं होता, वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, संचार, तकनीक, वैश्वीकरण, पर्यटन आदि से भी इसका उतना ही संबंध होता है, जितना खेल से। यही कारण है कि दुनिया की धड़कनें फुटबॉल को लेकर बहुत तेज हो चुकी हैं। आने वाले दिनों में स्टेडियमों की रोशनी आसमान को बार-बार चमकाती दिखाई देगी। सड़कों पर रात-रात भर जश्न होगा। करोड़ों और कई बार तो अरबों लोग एक साथ टीवी स्क्रीन से चिपके होंगे।

जुनून का महाविस्फोट

केवल रियल वर्ल्ड में ही नहीं सोशल मीडिया पर भी आगामी दिनों में हर दिन नया इतिहास लिखा जाएगा और ऐसा हो भी क्यों न? दुनिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ के आयोजन में ऐसा होना स्वाभाविक ही है। जानकार जानते हैं कि यह सिर्फ फुटबॉल के रोमांच की उमंग भर नहीं होगी, इसमें

फीफा वर्ल्ड कप 2026

रोमांच-जुनून का ग्रैंड इवेंट



शामिल होंगे भावनाओं के ज्वार-भाटे, राष्ट्रवाद, तकनीक, अरबों डॉलर का कारोबार, इस सबके चलते ग्लेमर और जुनून का महाविस्फोट साबित होगा 2026 का फीफा वर्ल्ड कप।

तीन देशों में होगा आयोजन

शायद यह अकेली ऐसी खेल घटना होगी, जिसकी गूंज इस वर्ल्ड कप के दौरान दुनिया के हर कोने में सुनी जाएगी। इस बार तो ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि आज तक कभी भी 48

होंगे नए मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस

आकार में यह फुटबॉल विश्व कप अब तक सबसे बड़ा आयोजन होगा, क्योंकि इसमें 48 टीमों भाग ले रही हैं, जिनके 104 मुकाबले होंगे। इसके हर मुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शक स्टेडियमों में और करोड़ों टीवी स्क्रीन से सटे होंगे। अरबों लोग इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फॉलो करेंगे और हां, इस बार के फुटबॉल विश्व कप को जितने विज्ञापन मिले हैं और जितनी स्पॉन्सरशिप इस कप को मिली है, उतने विज्ञापन और स्पॉन्सरशिप आज तक दुनिया के किसी भी बड़े से बड़े टूर्नामेंट को नसीब नहीं हुए।

यह सचमुच फीफा के इतिहास का मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस होगा। यह ऐसा विश्व कप होगा, जिसमें एआई

आधारित कैमरे, रियल टाइम डेटा एनालिसिस, स्मार्ट स्टेडियम और अत्याधुनिक प्रसारण तकनीक बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगी यानी दर्शक सिर्फ मैच नहीं देखेंगे डिजिटल



फुटबॉल के रोमांच से भी दो-चार होंगे। शायद इसलिए अब कहा जा रहा है फुटबॉल खेल नहीं, अब यह एक विश्व संस्कृति बन चुकी है और ऐसा हो भी क्यों न, फुटबॉल के अलावा और भला कौन-सा ऐसा खेल है, जो अमीर-गरीब, भाषा-धर्म और सीमाओं से उठकर लोगों को जोड़ देता है। ब्राजील की गलियों से लेकर अफ्रीका के गांवों तक यूरोप के पबों से लेकर भारत के कस्बों तक इस आगामी एक महीने तक हर जगह फुटबॉल का यह जुनून दिखेगा।

इकोनॉमी को मिलेगा बूम

इस बार का विश्व कप अरबों डॉलर फुटबॉल इकोनॉमी का मॉडल भी होगा यानी, यह केवल खेल नहीं बल्कि विशाल आर्थिक इंजन भी होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक 2026 का फुटबॉल विश्व कप पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसाय, एयरलाइंस, विज्ञापन, स्पोर्ट्स मर्चेंडाइज और डिजिटल स्ट्रीमिंग में रिकॉर्ड कारोबार पैदा करेगा।

भारत में भी बढ़ रही दीवानगी

खुशी की बात यह है कि भारत में भी फुटबॉल करवट ले रहा है। पिछले दशक में फुटबॉल का जुनून तेजी से बढ़ा है। इंडियन सुपर लीग और यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में युवाओं में इस खेल को लेकर एक नई तरह की दीवानगी पैदा हुई है। केरल, पश्चिम बंगाल, गोवा और उत्तर-पूर्व के राज्यों में तो विश्व कप के दौरान किसी त्योहार के माफिक माहौल हो जाता है।

कई गांवों में तो ब्राजीली और अर्जेंटीना के झंडे तक दिखाई देते हैं। यह राष्ट्रवाद के साथ कोई विश्वासघात नहीं बल्कि फुटबॉल के जुनून का नशा है। इस दौरान भारत में भी पूरे समय फुटबॉल का जुनून देखने को मिलेगा। दर्शकों और डिजिटल व्यूअरशिप की एक महाशक्ति है अपना देश, इस लिहाज से भारत भी इस विश्व कप का बड़ा और अंतरंग हिस्सा होगा। *

कविता

पुरुषोत्तम व्यास

पारिजात के फूल

बड़ा अजीब-सा महरूस करता
जब से उनके बारे में
जान पाया
निशा में खिलते
भोर में जाते झर
लगता
निशा में कोई उनसे अनुराग भरी
बातें करता होगा



सुबर फिर मिलने का वादा कर
चला जाता होगा
उसी प्रेम की याद में झर जाते होंगे
फिर भी
खिलते-खिलते मनभावन खुशबू लेकर
स्वर्ग लोक के फूल।

लघुकथा / संजीव ठाकुर

दुकानदार

वह कपड़ों की दुकान थी, जिसमें ज्यादातर पुरुषों के लिए पैट और शर्ट के कपड़े मिलते थे। एक ग्राहक अकसर उस दुकान पर आया करता था। एक बार जब वह अपने लिए पैट-शर्ट के कपड़े खरीद चुका, दुकानदार बोला, 'और कुछ चाहिए सर? हमारे यहाँ ओढ़ने-बिछाने की चादरें भी मिलती हैं। आप देखना चाहेंगे? शहर की किसी भी दुकान की तुलना में यहाँ चादरें आपको सस्ती पड़ेंगी।' डबल बेड की चादरें दिखाऊँ? ग्राहक बहुत दिनों से ओढ़ने की चादरें लेना चाह रहा था, लेकिन उससे ढंग की चादरें नहीं मिल रही थीं। वह बोला, 'डबल बेड की तो रहने दीजिए, ओढ़ने की दिखाइए।' दुकानदार ने अपने स्टाफ से चादरें मंगवाई और चादरों की तारीफ

करते हुए ग्राहक को दिखाने लगा, 'देखिए, इसकी क्वालिटी देखिए-ए वन।' ग्राहक ने सिंगल कलर की चादरें लेने की सोच रखी थी, लेकिन चादर के एक ओर डिजाइन बना देखकर उसका मन डोलने लगा। उसने दुकानदार से कहा, 'यह तो मुझे ओढ़ने की नहीं बिछाने की चादर लग रही है।' 'नहीं सर, ओढ़ने की ही है। ये देखिए, इसके चारों किनारों को किस तरह सिला गया है?' ग्राहक का मन डोल ही रहा था कि दुकानदार ने चादरों की कीमत बता दी, 'सिर्फ साढ़े चार सौ में दो चादरें हैं सर।' चादरों की कीमत सुनकर ग्राहक को सुखद आश्चर्य हुआ। सचमुच इतनी कम कीमत में चादरों का मिलना मुश्किल था। उसने दुकानदार से पचास रुपए कम करवाकर चादरें ले लीं। कुछ महीनों बाद उसी ग्राहक को बिछाने की चादरों की दरकार हुई। वह उसी दुकान पर पहुंच गया। डबल बेड की दो चादरें लेने के बाद उसने सिंगल बेड पर बिछाने की चादरें दिखाने को कहा। दुकानदार ने चादरें मंगवाई। ग्राहक उन्हें देखते ही बोला, 'ये बिछाने की हैं? पिछली बार तो आपने इसे ओढ़ने ने चादरें मंगवाई। ग्राहक उन्हें देखते ही बोला, 'ये बिछाने की हैं? पिछली बार तो आपने इसे ओढ़ने की कहकर मुझे दिया था?' 'ये चीज ही ऐसी है सर कि इसे ओढ़ने, बिछाने, दोनों कामों में लाया जा सकता है।' दुकानदार ने कहा और अपनी खीसें निपोर दीं! *

लंगर / विनोद कुमार विक्की

गहन शोध, आधे-अधूरे निष्कर्ष और पूरे आत्मविश्वास के साथ यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि एक फिल्म का लोकप्रिय गीत 'मुस्कुराने की वजह तुम हो' वाला 'तुम' कोई इंसानी काया नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली, किंतु भावशून्य उपकरण है। नब्बे फीसदी इंसान सिर्फ इसी उपकरण के सामने मुस्कुराते हैं। यह उपकरण कुछ और नहीं बल्कि कैमरा है। जी हाँ, वही कैमरा, जिसके सामने आते ही इंसान अपने समस्त दुःख-दर्द को ऐसे समेट लेता है, जैसे आम चुनाव के भाषण में नेताजी पिछले वर्ष की अधूरी घोषणाओं को समेट लेते हैं, और सरकार वित्तीय बजट में घाटा समेटती है। जैसे ही पेशेवर स्टूडियो के फोटोग्राफर द्वारा 'स्माइल प्लीज' का निर्देश प्राप्त होता है, या सेल्फी स्टिक पर टिके मोबाइल का फ्रंट कैमरा ऑन होता है, चेहरे पर जमी चिंता की धूल झट से उड़ जाती है और होंठों पर 3 से 5 सेंटीमीटर की मानक मुस्कान स्वतः चिपक जाती है।

यह मुस्कान इतनी अनुशासित होती है कि जाति, धर्म, लिंग, रंग, सब सीमाएं पार कर जाती है। नर, मादा, अन्य, काला, गोरा, सांवाला आदि सबके चेहरे पर एक समान 'फोटो फ्रेंडली' लोकतंत्र दिखाई देता है। परंतु विडंबना देखिए, यह मुस्कान उतनी ही टिकाऊ होती है, जितने चुनावी वादे।

क्लिक होते ही मुस्कान का पुष्पक विमान सीधे वास्तविकता की शोक-वाटिका में क्रैश लैंडिंग कर देता है। फोटो में हम जितने खुश दिखते हैं, असलियत में उतने ही ईएमआई, महंगाई और बॉस के व्हाट्सएप मैसेज से त्रस्त होते हैं। उम्र से पहले ही जिम्मेदारी और

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

रिष्ठ साहित्यकार नवनीत मिश्र के छोटे-छोटे संस्मरणों की किताब 'कितना कुछ तो है' हाल में प्रकाशित होकर आई है। इसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर वर्तमान समय तक की छोटी-छोटी मधुर स्मृतियों की कतरनों को बहुत सलीके से संजोया है। इनसे गुजरते हुए यह साबित होता है कि उनके भीतर का सजग लेखक हमेशा, गहन संवेदनशीलता के साथ अपने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं और लोगों को देखता, महसूसता और उनके संग जीता रहा है। इन संस्मरणों को लिखने का अंदाज कहीं भी बनावटी नजर नहीं आता है। अपने भीतर के कमजोर पक्षों को भी

कैमरा ऑन, स्माइल प्लीज!

अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको कोई खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा।



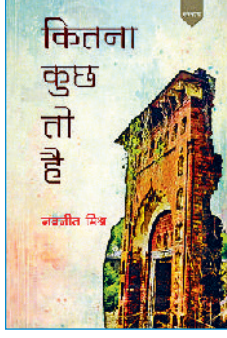
पेशानियों के कारण चेहरे पर झुर्रियों की लक्ष्मण रेखाएं खिंच जाती हैं। सच तो यही है कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मुस्कुराना एक 'इवेंट' बन चुका है, जो मुख्यतः कैमरे के सामने ही आयोजित होता है। लगता है जैसे भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अति व्यस्तता के बीच मुस्कान ने स्वेच्छिक अवकाश ले रखा है।

कार्यालय में काम का दबाव, वरीय पदाधिकारी का तनाव, घर में 'घरेलू प्रेशर', बाजार की महंगाई और बैंक की ईएमआई, इन सबने मिलकर होंठों की नैसर्गिक पहचान यानी,

मुस्कान को जैसे गिरवी रख दिया है। ऐसे में बेचारा इंसान जब-तब मुस्कुराने के लिए अवसर ढूँढ़ता फिरता रहता है। तभी संकटमोचक बनकर प्रकट होता है, कैमरा! वह बिना किसी शर्त के प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभाते हुए सामने खड़ा हो जाता है और कहता है, 'आओ, लल्ला कुछ सेकेंड के लिए थोबड़े पर मुस्कुराहट लाओ ताकि हम उस छवि को कैद कर सकें।' बस फिर क्या, जो मुस्कान बेमियादी हड़ताल पर थी, वह भी तुरंत एक्टिव हो जाती है और चेहरे पर 'इमरजेंसी स्माइल' आ जाती है।

स्मृतियों की कतरनें

उन्होंने पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया है। 'बहिन जी', 'चोर पकड़ा गया' और 'एक थे पलाली बाबू' में उनके बचपन की मासूमियत भरी छवि उजागर हुई है तो युवावस्था में कार्यक्षेत्र में 'रहमान साहब' जैसे लोगों ने उनको प्रभावित किया। इसी तरह रिटायरमेंट के बाद कार ड्राइविंग सीखने के दौरान प्रशिक्षक



से मिला अनुभव 'बैकव्यू मिर्र' भी वे भूल नहीं पाए। आम तौर पर साहित्यिक संस्मरण प्रसिद्ध हस्तियों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन इस पुस्तक के संस्मरणों में जिस तरह से लेखक ने अपने जीवन में शामिल रहे सामान्य लोगों को सहृदयता से याद किया है, वह उनके भावुक व्यक्तित्व का परिचायक है। अपनी कहानियों की ही तरह बहुत सरल, सहज शैली में लिखे उनके ये संस्मरण, मन को छू लेते हैं। यह भी कह सकते हैं कि इन संस्मरणों में नवनीत जी की आत्मकथा स्पष्ट तौर पर झांकती हुई नजर आती है। *

पुस्तक: कितना कुछ तो है (संस्मरण), लेखक: नवनीत मिश्र, मूल्य: 450 रुपए, प्रकाशक: भावना प्रकाशन, दिल्ली

आम के नीचे खाट पर बैठकर ग्रामीणों के साथ सीएम साय ने लगाई चौपाल

हरिभूमि न्यूज ►► गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

प्रदेश में चल रहे सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शनिवार को गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही विकासखंड स्थित निमधा गांव पहुंचे। यहाँ उन्होंने गांव के आम के पेड़ के नीचे खाट पर बैठकर ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाई और उनकी समस्याएं सुनीं।



मुख्यमंत्री साय।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत जानी तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती, राजस्व मामलों में अनियमितताओं, पेयजल तथा अन्य स्थानीय समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। ग्रामीणों की शिकायतें सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने बिजली व्यवस्था पर नाराजगी जताई और संबंधित डिविजनल इंजीनियर को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की हकीकत जानी

1 मई से शुरु हुआ 10 जून तक चलेगा सुशासन तिहार

मीडिया से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 1 मई से 10 जून तक सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुंच रहा है या नहीं, इसका प्रत्यक्ष फीडबैक प्राप्त करना है। उन्होंने बताया कि अब तक वे 28 जिलों का दौरा कर चुके हैं और समाधान शिविरों के साथ-साथ अचानक चौपाल लगाकर भी लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शासन, स्वास्थ्य, राजस्व, पेयजल

और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने नई उद्योग नीति 2024-30 का उल्लेख करते हुए बताया कि राज्य में 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। साथ ही उन्होंने गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में पर्यटन विकास की अपार संभावनाओं का उल्लेख करते हुए प्रसिद्ध विष्णुभोग चालल के उत्पादन, ब्रांडिंग और विपणन को बढ़ावा देने की बात कही, ताकि किसानों को इसका अधिक लाभ मिल सके।

कलेक्टर को स्वयं जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश

उन्होंने स्पष्ट कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए। वहीं राजस्व विभाग से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन को उद्योग जांच कर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी महिला स्व-

सहायता समूहों की लक्ष्यपति दीर्घियों ने मुख्यमंत्री को अपने कर््यों और उपलब्धियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि स्व-सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। राज्य सरकार महिलाओं के उत्पत्तिकरण के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

पेक्स में गड़बड़ी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, समिति पूर्ववत रहेगी संचालित

प्रकृति मित्र बनकर धरती माता का आंगन हरा-भरा रखने लगाएं पेड़

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें भविष्य के लिए सचेत हो जाने का संकेत देता है। यह दिवस याद दिलाता है कि हमें अपना और अपनी पीढ़ियों के भविष्य को बचाए रखने के लिए पेड़ लगाने होंगे, पानी बचाना होगा, प्रदूषण कम करना होगा, तभी हमारी यह धरती बची रहेगी। उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति का मित्र बनना होगा। हम यदि आज नहीं संभले तो जलवायु परिवर्तन से हमारे अस्तित्व पर संकट का खतरा मंदाराने लगेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मप्र राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने सभी से कहा कि अपनी धरती माता का आंगन स्वच्छ एवं हरा-भरा रखने के लिए हम सब कम से कम एक-एक पेड़ अवश्य लगाएं। उन्होंने अपेक्स बैंक परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आम का पौधा भी रोपा। इसमें ‘एक पेड़ मां के नाम’ के तहत अपेक्स बैंक मुख्यालय सहित सभी जिला सहकारी बैंक एवं प्रत्येक प्राथमिक साख सहकारी समिति (पेक्स) में सघन पौधरोपण महाभियान चलाया जा रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शुक्रवार को अपेक्स बैंक के नेतृत्व में प्रदेश भर में एक साथ 1 लाख पौधे लगाए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने एक पेड़ मां के नाम तहत अपेक्स बैंक परिसर में लगाया आम का पौधा



कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

दूध का प्रतिदिन संकलन 13 लाख लीटर बढ़ा

मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र ब्लिंक कैपिटल बनने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है। प्रदेश के किसान दूध उत्पादन में अपनी समृद्धि का मार्ग खोज रहे हैं। दूध उत्पादन से किसानों का आय में वृद्धि हुई है। सरकार ने दूध का उत्पादन 8 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। मप्र में इन दिनों दूध का प्रतिदिन संकलन 13 लाख लीटर बढ़ गया है। गन्ना उत्पादक किसानों को लाभ देने के लिए

शिवपुरी जिले के कोलारस करबे में जल्द ही शुगर फैक्ट्री स्थापित की जाएगी। सहकारिता मंत्री विवास केशवा शर्मा ने कहा कि हर संभव प्रयास करके अपने पर्यावरण को संरक्षित करना ही होगा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इस साल हम एक लाख पौधे लगाने जा रहे हैं। कार्यक्रम को अपेक्स बैंक के अध्यक्ष (प्रशासक) महेन्द्र सिंह यादव ने भी संबोधित किया।



पौधरोपण करते सीएम डॉ. यादव।

कोई अधिकारी-कर्मचारी गड़बड़ी करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सरकार के एक विशेष प्रावधान के बारे में कहा कि अगर प्राथमिक सहकारी समिति (पेक्स) में कोई अधिकारी-कर्मचारी गड़बड़ी करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। समिति के सदस्य किसानों पर इसका कोई असर नहीं पड़ने दिया जाएगा। सोसाइटी पर नहीं दोषी व्यक्ति पर कार्रवाई होगी। वह सोसाइटी पहले की तरह संचालित रहे, इसके लिए सभी तरह के प्रबंध किए जाएंगे। मुख्यमंत्री

ने कहा कि किसानों के हित में हमारा प्रयास है कि वर्ष का अंत (फसल ऋण आदि लेने की अवधि) 31 मार्च से बढ़ाकर 31 मई तक कर दी जाएगी, ताकि किसान लोन डिफाल्टर न हो पाएं और अपना सालाना टर्न ओवर पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) से 21 जून (विश्व योग दिवस) तक पूरे एक पखवाड़े के दौरान सभी सहकारी समितियों के माध्यम से एक लाख पौधे रोपित किए जाएंगे।

दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर संभाला मोर्चा, कोई जनहानि नहीं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जोनल कार्यालय में अचानक आग लगने से मचा हड़कंप



हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

राजधानी के बाँम्बे मार्केट स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जोनल कार्यालय में शनिवार सुबह अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। कार्यालय परिसर से धुआं उठता देख कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे कार्यालय भवन के भीतर से धुआं निकलना शुरू हुआ, जिसके बाद कुछ ही मिनटों में आग ने तेज रूप ले लिया। आग लगने की खबर फैलते ही आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि समय रहते कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं

हुई। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर तेजी से मोर्चा संभाला और आग को भवन के अन्य हिस्सों तक फैलने से रोक दिया। कई घंटे की मशकत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया। अधिकारियों का कहना है कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं होती तो नुकसान और अधिक बढ़ सकता था। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है, लेकिन वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है। महत्वपूर्ण दस्तावेज, फाइलों को पहुंचा नुकसान नियंत्रित और फायर विभाग संयुक्त रूप से पूरे मामले को पड़ताल कर रहे हैं।आगजनी की इस घटना में बैंक के कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, फाइलों और कार्यालयीन रिकॉर्ड प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/वलासाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।



आरपीएफ ने एनपीएम, चाणक्यपुरी में बैंड प्रदर्शन एवं रिट्रीट समारोह का आयोजन

नईदिल्ली। मुख्य अतिथि के तौर पर आईजी-सह-पीसीएससी/एसईसीआर, मुनव्वर खुशीद उपस्थित रहे और उन्होंने दिवंगत कृष्ण चंदर, पूर्व सीटी/डब्ल्यूआर की समर्पित सेवा और बलिदान के सम्मान में उनके परिवार को सम्मानित किया।

जियो का नया पास

200 में 15 ओटीटी

मुंबई। अगर आप अलग-अलग ओटीटी ऐप्स के लिए बार-बार रिचार्ज करने से बचना चाहते हैं, तो जियो एक नया ऑफर लेकर आया है। कंपनी ने 200 का नया जियो ओटीटी पास लॉन्च किया है, जिसमें ग्राहकों को 15 प्रीमियम ओटीटी ऐप्स, 1000 से ज्यादा लाइव टीवी चैनल, 30जीबी हाई-स्पीड डेटा और अनलिमिटेड 5जी की सुविधा मिलेगी। पैक की वैधता 28 दिनों की होगी। इस पैक में यूट्यूब प्रीमियम, जियो हॉटस्टार मोबाइलप्लस हॉलीवुड, और प्राइम विडियो एडिशन शामिल हैं। इसके अलावा सोनी लाइव, जी5, लाइवसनेट, सब एनएक्सटी, फैनकोड, कांवा लंका, प्लेनेट मराठी, चौपाल, होईचोई, टाइम्स प्ले व तरंग प्लस जैसे 12 अतिरिक्त ओटीटी प्लेटफॉर्म को जियोटीवी के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है।

जियो का नया पास

200 में 15 ओटीटी

मुंबई। अगर आप अलग-अलग ओटीटी ऐप्स के लिए बार-बार रिचार्ज करने से बचना चाहते हैं, तो जियो एक नया ऑफर लेकर आया है। कंपनी ने 200 का नया जियो ओटीटी पास लॉन्च किया है, जिसमें ग्राहकों को 15 प्रीमियम ओटीटी ऐप्स, 1000 से ज्यादा लाइव टीवी चैनल, 30जीबी हाई-स्पीड डेटा और अनलिमिटेड 5जी की सुविधा मिलेगी। पैक की वैधता 28 दिनों की होगी। इस पैक में यूट्यूब प्रीमियम, जियो हॉटस्टार मोबाइलप्लस हॉलीवुड, और प्राइम विडियो एडिशन शामिल हैं। इसके अलावा सोनी लाइव, जी5, लाइवसनेट, सब एनएक्सटी, फैनकोड, कांवा लंका, प्लेनेट मराठी, चौपाल, होईचोई, टाइम्स प्ले व तरंग प्लस जैसे 12 अतिरिक्त ओटीटी प्लेटफॉर्म को जियोटीवी के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है।

भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्या. कवर्धा जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

टेली फ़ैक्स : 07740-252273 email:bssukm1@gmail.com Contact No. 09454221467, 08305143251,09893404589

निविदा विज्ञप्ति क्र. - 03

दिनांक- 06/06/2026

// ई-प्रोक्योरमेंट पुनः निविदा सूचना //

3500 टी.सी.डी. के भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, कवर्धा, जिला - कबीरधाम में विभिन्न इंजीनिरिंग सामग्री क्रय / कार्य हेतु ई-टेंडर आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा हेतु इच्छुक फर्मों / निविदाकार द्वारा भाग लेने के लिए ई-टेंडर के वेबसाइट में जाकर पृथक-पृथक ई-निविदा हेतु फार्म राशि 1311/-रु. (1000/-रु. + 311/- रु. चिप्स के द्वारा लाी जाने वाली सर्विस चार्ज) ऑनलाइन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाइन वेबसाइट (E-Procurement Portal): http://eproc.cgstate.gov.in) से फार्म Upload किया जाना है। निम्नलिखित तिथि अनुसार निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	विवरण	निविदा प्रपत्र विक्रय / जमा तिथि एवं समय	निविदा खोलने तिथि एवं समय
1	पुनः ई-निविदा क्रमांक- 192714 (Only OEM & Authorized Dealer) विभिन्न इंजीनियरिंग सामग्री	दिनांक 08/06/2026 समय रात्रि 08:00 बजे से 15/06/2026 को समय दोपहर 12:00 बजे तक फार्म भर कर / अपलोड करने पर मान्य होगा।	निविदा 15/06/2026 समय दोपहर 12:30 बजे से
2	पुनः ई-निविदा क्रमांक-192715 (Non Authorized Suppliers) विभिन्न इंजीनियरिंग सामग्री	दिनांक 08/06/2026 समय रात्रि 08:00 बजे से 18/06/2026 को समय दोपहर 12:00 बजे तक फार्म भर कर / अपलोड करने पर मान्य होगा।	18/06/2026 समय दोपहर 12:30 बजे से
3	पुनः ई-निविदा क्रमांक -192716 (Only OEM & Authorized Dealer/ Stockist) विभिन्न इलेक्ट्रीकल सामग्री	दिनांक 08/06/ 2026 समय रात्रि 08:00 बजे से 19/06/2026 को समय दोपहर 12:00 बजे तक फार्म भर कर / अपलोड करने पर मान्य होगा।	निविदा 19/06/2026 समय दोपहर 12:30 बजे से
4	पुनः ई-निविदा क्रमांक-192717 (Only OEM & Authorized Dealer) Bearing Items	दिनांक 08/06/2026 समय रात्रि 08:00 बजे से 20/06/2026 को समय दोपहर 12:00 बजे तक फार्म भर कर / अपलोड करने पर मान्य होगा।	20/06/2026 समय दोपहर 12:30 बजे से

निविदा की नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र कारखाने के वेब साइट www.bssukm.co.in में अवलोकन कर सकते है।

महाप्रबंधक

भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्या. कवर्धा, जिला- कबीरधाम (छ.ग.)

पिछले कुछ सालों में भारत में पेपर लीक की घटनाएं एक गंभीर राष्ट्रीय समस्या बनकर उभरी हैं। इसने न सिर्फ लाखों युवाओं के करियर पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि पूरी शिक्षा और मर्ती प्रणाली के भरोसे को भी गहरा धक्का पहुंचाया है। एक अदद सरकारी नौकरी या प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले के लिए दिन-रात एक करने वाले करोड़ों विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति एक मानसिक विभीषिका जैसी है। तकनीक के बेहतर इस्तेमाल के बड़े-बड़े दावों के बीच आखिर चूक हो गई। इसके लिए सीबीएसई को परीक्षकों के लिए एक अनिवार्य और व्यापक डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना होगा, ताकि वे स्क्रीन पर भी न्यायपूर्ण मूल्यांकन कर सकें। पेपर लीक की समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रतियोगी परीक्षाओं को लगातार अत्यधिक कठिन बनाया जा रहा है। जेईई एडवांस्ड और नीट जैसी परीक्षाओं में कई प्रश्न ऐसे पूछे जाते हैं जो भले ही औपचारिक रूप से पाठ्यक्रम के अंतर्गत हों, लेकिन उनकी जटिलता सामान्य विद्यालयी शिक्षा के स्तर से कहीं अधिक होती है। शिक्षा व्यवस्था का लक्ष्य प्रतिभा को पहचानना होना चाहिए, उसे अनावश्यक दबाव और असमानताओं के जाल में फंसाना नहीं। अब समय आ गया है कि एक पारदर्शी, सुरक्षित और अचूक परीक्षा प्रणाली का निर्माण किया जाए। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

पेपर लीक : सिस्टम को इलाज की जरूरत



विश्लेषण

चरणजीत चरण

स्वतंत्र स्तंभकार

सीबीएसई एवं नीट की परीक्षाओं ने देश के युवा को निराश किया है। इस तरह की घटनाएं जब भी होती हैं तो देश के युवा मन में निराशा और अवसाद का एक बीज उपजने लगता है, जिससे उस युवा का समूचा परिवार प्रभावित होता है। सरकार नीतियां निर्धारित करती है, लेकिन उन नीतियों का क्रियान्वयन करने वाले प्रशासनिक अधिकारी, पेपर बनाने वाले एक्सपर्ट वो लोग जिन पर उस पेपर को संभालने और उसकी गोपनीयता कायम रखने की जिम्मेदारी होती है या कोई बड़ा राजनीतिक व्यक्ति जब किसी लालच का शिकार हो जाता है तो पेपर लीक जैसी घटनाएं समाज में घटती हैं। इस तरह की घटनाओं को किसी एक व्यक्ति की गलती के तौर पर देखना पूरे सिस्टम की गंदगी पर पर्दा डालने जैसा होगा। सिस्टम में बैठे लोगों की लापरवाही कोई तकनीकी खामी या किसी व्यक्ति का नैतिक पतन किसी भी परीक्षा के लीक के लिए जिम्मेदार हो सकता है, लेकिन इसके लिए भी सबसे अधिक जिम्मेदारी सरकार की ही बनती है। पेपर लीक का यह मामला पहला नहीं है। कई वर्षों से इस तरह के मामले निरंतर आ रहे हैं, लेकिन उसके लिए कोई ठोस नेटवर्क तैयार न कर पाना दोषी लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान न होना, एक निचले स्तर के कर्मचारी से लेकर किसी बड़े अधिकारी तक जिम्मेदारी तय न करना और उसका उल्लंघन होने पर कड़ी सजा का प्रावधान न होना इस सारे घटनाक्रम का कारण बनता है।

संगठित अपराध बना पेपर लीक

लीक होने वाली इन परीक्षाओं के लिए सरकार, प्रशासन और विशेषज्ञ ही जिम्मेदार हों, ऐसा नहीं है। बात अब इससे बहुत आगे बढ़ चुकी है। पेपर लीक अब एक संगठित अपराध का रूप ले चुका है। इसमें मोटा पैसा, रसूक और माफिया तंत्र का कॉन्कटेल बन चुका है। समाज के मध्यवर्ग में बैठे कुछ बड़े

कि सी भी देश को आत्मनिर्भर बनाने और उसके सांस्कृतिक, धार्मिक, तकनीकी एवं नैतिक उत्थान को उसके वैभव तक ले जाने में उस देश की शिक्षा का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान होता है। अगर किसी कारण से शिक्षा व्यवस्था में कोई संघमारी होती है तो यह निश्चित रूप से उस देश के भविष्य के लिए चिंता का विषय है। पिछले कई वर्षों से भारत की कई महत्वपूर्ण परीक्षाएं इस समस्या से जूझ रही हैं। सामान्य परीक्षाओं से लेकर भर्ती परीक्षाएं भी पेपर लीक की शिकार हुई हैं। अगर हालिया वर्ष की बात करें तो सीबीएसई एवं नीट की परीक्षाओं ने देश के युवा को निराश किया है। इस तरह की घटनाएं जब भी होती हैं तो देश के युवा मन में निराशा और अवसाद का एक बीज उपजने लगता है, जिससे उस युवा का समूचा परिवार प्रभावित होता है। सरकार नीतियां निर्धारित करती है, लेकिन उन नीतियों का क्रियान्वयन करने वाले प्रशासनिक अधिकारी, पेपर बनाने वाले एक्सपर्ट वो लोग जिन पर उस पेपर को संभालने और उसकी गोपनीयता कायम रखने की जिम्मेदारी होती है या कोई बड़ा राजनीतिक व्यक्ति जब किसी लालच का शिकार हो जाता है तो पेपर लीक जैसी घटनाएं समाज में घटती हैं। इस तरह की घटनाओं को किसी एक व्यक्ति की गलती के तौर पर देखना पूरे सिस्टम की गंदगी पर पर्दा डालने जैसा होगा। सिस्टम में बैठे लोगों की लापरवाही कोई तकनीकी खामी या किसी व्यक्ति का नैतिक पतन किसी भी परीक्षा के लीक के लिए जिम्मेदार हो सकता है, लेकिन इसके लिए भी सबसे अधिक जिम्मेदारी सरकार की ही बनती है। पेपर लीक का यह मामला पहला नहीं है। कई वर्षों से इस तरह के मामले निरंतर आ रहे हैं, लेकिन उसके लिए कोई ठोस नेटवर्क तैयार न कर पाना दोषी लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान न होना, एक निचले स्तर के कर्मचारी से लेकर किसी बड़े अधिकारी तक जिम्मेदारी तय न करना और उसका उल्लंघन होने पर कड़ी सजा का प्रावधान न होना इस सारे घटनाक्रम का कारण बनता है।



अधिकारी, उद्योगपति और कोचिंग संचालक इस पूरी प्रक्रिया से मोटा पैसा खींच रहे हैं। एक तरफ जहां लोगों पर सामाजिक दबाव है, बच्चों को किसी अच्छे कोर्स में डालने का और उन्हें कामयाब होते हुए देखने का, तो दूसरी तरफ अपनी सामाजिक और आर्थिक सत्ता को बचाने का भी दबाव है। इसके चलते पेपर लीक जैसे शॉर्टकट के माध्यम से नालायक बच्चों को भी कामयाब बनाने की कोशिश की जा रही है।

पैसे वाले माता-पिता की इसी मजबूरी और महत्वाकांक्षा का फायदा पेपर लीक माफिया उठा रहा है। लीक पेपर के लाखों रुपये पेरेंट्स से वसूले जाते हैं। लीक पेपर से बना डॉक्टर इंजीनियर या अन्य किसी पद पर बैठा व्यक्ति समाज में कभी नैतिकता के पैमाने पर खरा नहीं उतर सकता। आज बहुत से इंस्टिट्यूट ये दावा करते हैं कि उनके यहां से कोचिंग लेने पर परीक्षा पास करने की सौ प्रतिशत गारंटी है।

भ्रामक विज्ञापन पर रोक लगे

पेपर लीक की बुनियाद यही गारंटी है। इसको बस ऐसे समझ लीजिए कि कोई तरबूज बेचने वाला अगर सौ प्रतिशत लाल और मीठे की गारंटी लेता है तो निश्चित मानना चाहिए कि वहां तरबूज में किसी केमिकल का इस्तेमाल हुआ है। भारत में भी पेपर लीक का एक बड़ा सोर्स इसी तरह के संस्थान हैं, जिन पर

पेपर लीक : मुख्य कारण

- ठोस नेटवर्क तैयार न कर पाना पेपर लीक का मुख्य कारण
- दोषी लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान न होना शामिल
- निचले स्तर से बड़े अधिकारी तक जिम्मेदारी तय न करना
- कड़ी सजा का प्रावधान न होना

पूर्णतया रोक लगाने या इस तरह के भ्रामक विज्ञापन बंद करने की आवश्यकता है। आज सरकार और स्वयं पेरेंट्स को यह तय करना होगा कि हम देश में कैसा तंत्र चाहते हैं। क्या हम एक ऐसे डॉक्टर से इलाज कराना चाहते हैं तो पेपर लीक से डॉक्टर बना है।

सुधरनी चाहिए व्यवस्था

क्या हम किसी ऐसे इंजीनियर के मानकों पर खरे उतरे पुल से गुजरना चाहते हैं जो पेपर लीक सका सहारा लेकर यहां तक पहुंचा है, यह समस्या आज विकराल रूप लेती जा रही है। बार-बार पेपर लीक होना बताता है कि सिस्टम का एक बड़ा हिस्सा सड़ चुका है। उसे एक सतत इलाज की जरूरत है। जब

तक सिस्टम में बैठे लोगों की जिम्मेदारी तय नहीं होती और जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान नहीं होता, तब तक इस समस्या से निपटना आसान नहीं है।

साथ ही हमें बच्चों को बेसिक शिक्षा से ही नैतिक मूल्यों की कसीदी पर इस परिपक्वता के साथ दालना होगा कि वे स्वयं इस तरह के अनैतिक कार्य के विरुद्ध खड़े होकर अपनी आवाज मुखर कर सकें। अगर ये नहीं होता है तो भविष्य में इसके बहुत ही दुःख परिणाम देखने को मिलेंगे। क्योंकि सालों साल मेहनत करने वाला बच्चा जब यह देखता है कि जिस करियर के सपने को सजाकर वह वर्षों से मेहनत कर रहा था, वह परीक्षा लीक हो चुकी है तो उसके मन मस्तिष्क पर इसका ऐसा दुष्प्रभाव पड़ेगा कि वह पूरे जीवन देश की सरकार और सिस्टम पर विश्वास नहीं कर पाएगा। हो सकता है कि यह घटना उसके मानसिक अवसाद का कारण बन जाए।

समाज होता है प्रभावित

इसका एक और दुष्परिणाम यह होगा कि बहुत सारे योग्य बच्चों की जगह अयोग्य बच्चे उन महत्वपूर्ण पदों पर बैठ जाएंगे, जहां से पूरा समाज प्रभावित होता है। यह ऐसी स्थिति होती है जैसे किसी स्वस्थ शरीर में एक अंग का खराब हो जाना, जो आज नहीं तो कल पूरे शरीर के लिए घातक साबित होगा।

स्कूली शिक्षा के अनुरूप हों प्रतियोगी परीक्षाएं



व्यवस्था

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

देश में प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पिछले कुछ वर्षों में गंभीर प्रश्नों के घेरे में आई है। विशेष रूप से मेडिकल प्रवेश परीक्षा जैसे नीट से जुड़े विवादों ने लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों को चिंता में डाल दिया है। लाखों की संख्या में छात्रों द्वारा की गई इस परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होने, असामान्य रूप से बड़ी संख्या में छात्रों के अत्यधिक अंक प्राप्त करने तथा परीक्षा संचालन में अनियमितताओं के आरोप लगे। साथ ही विभिन्न राज्यों में शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती, रेलवे भर्ती तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाएं सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों ने न केवल युवाओं का विश्वास कमजोर किया है बल्कि परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पेपर लीक की समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रतियोगी परीक्षाओं को लगातार अत्यधिक कठिन बनाया जा रहा है। जेईई एडवांस्ड और नीट जैसी परीक्षाओं में कई प्रश्न ऐसे पूछे जाते हैं जो भले ही औपचारिक रूप से पाठ्यक्रम के अंतर्गत हों, लेकिन उनकी जटिलता सामान्य विद्यालयी शिक्षा के स्तर से कहीं अधिक होती है। राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की पुस्तकों पर आधारित होने का दावा करने वाली परीक्षाओं में भी अनेक ऐसे प्रश्न देखने को मिलते हैं, जिनके समाधान के लिए विशेष कोचिंग की आवश्यकता पड़ती है। इस संदर्भ में यह प्रश्न प्रासंगिक हो जाता है कि जब चयन प्रक्रिया का अंतिम आधार मेरिट ही है, तब प्रश्नपत्रों की कठिनाई का स्तर इतना अधिक रखने की आवश्यकता क्यों महसूस की जाती है? यदि किसी परीक्षा में दस लाख विद्यार्थी शामिल होते हैं और केवल पांच हजार का चयन होना है, तो अपेक्षकृत संतुलित और पाठ्यक्रम आधारित प्रश्नपत्र में भी श्रेष्ठ विद्यार्थियों की पहचान की जा सकती है। कठिनाई बढ़ाने से चयन प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष नहीं हो जाती, बल्कि यह उन छात्रों को अतिरिक्त लाभ देती है जिन्हें महंगे कोचिंग संस्थानों तक पहुंच उपलब्ध है। भारत में शायद इसीलिए भी कोचिंग उद्योग का आकार लगातार बढ़ रहा है। राजस्थान का कोटा, तेलंगाना का हैदराबाद तथा दिल्ली का मुखर्जी नगर जैसे क्षेत्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बड़े केंद्र बन चुके हैं। अनेक परिवार अपने बच्चों की तैयारी पर लाखों रुपये खर्च करने के लिए विवश हो जाते हैं। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्र इस प्रतिस्पर्धा में पीछे छूट जाते हैं। यह स्थिति शिक्षा में समान अवसर के सिद्धांत के विपरीत है। यदि किसी छात्र ने अपने विद्यालय में पूरी लगन से पढ़ाई की है और बोर्ड के निर्धारित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, तो उसे केवल इसीलिए नुकसान नहीं होना चाहिए कि उसने किसी महंगे कोचिंग संस्थान में प्रवेश नहीं लिया। प्रतियोगी परीक्षाओं का उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता को प्रोत्साहित करना होना चाहिए, न कि उसे अप्रासंगिक बनाना। सरकार और परीक्षा संचालित करने वाली संस्थाओं को इस विषय पर गंभीरता से पुनर्विचार करना चाहिए। नीट और जेईई जैसी परीक्षाओं का पाठ्यक्रम देश के विभिन्न शिक्षा बोर्डों के पाठ्यक्रमों के अनुरूप होना चाहिए। प्रश्नों का स्तर ऐसा हो जो अवधारणात्मक समझ की जांच करे, लेकिन विद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले विषयों की सीमा से बाहर न जाए। यदि किसी प्रश्न को हल करने के लिए छात्र को अतिरिक्त कोचिंग सामग्री या विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ती है, तो यह परीक्षा की मूल भावना के विरुद्ध माना जाना चाहिए। इसके साथ ही परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा भी मजबूत करना आवश्यक है। प्रश्नपत्रों की डिजिटल सुरक्षा, एन्क्रिप्टेड वितरण प्रणाली, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, दोषियों के विरुद्ध त्वरित कड़ी कार्रवाई तथा पारदर्शी जांच व्यवस्था को और सशक्त बनाया जाना चाहिए। पेपर लीक केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं है, बल्कि यह लाखों मेहनती छात्रों के सपनों पर चोट है। एक छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है, जबकि कुछ लोग अवैध तरीकों से उस मेहनत का मूल्य समाप्त कर देते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रतियोगी परीक्षाओं को कठिन बनाने की बजाय निष्पक्ष, पारदर्शी और विद्यालयी शिक्षा के अनुरूप बनाया जाए। यदि प्रश्नपत्र देश के विभिन्न बोर्डों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे, तो छात्रों का कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता कम होगी, आर्थिक असमानता घटेगी और विद्यालयी शिक्षा का महत्व बढ़ेगा। साथ ही, यदि परीक्षा प्रणाली सुरक्षित और विश्वसनीय होगी तो युवाओं का विश्वास भी मजबूत होगा। भारत जैसे युवा देश के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि प्रतिभा का चयन अवसरों की समानता और ईमानदार प्रतिस्पर्धा के आधार पर हो, न कि कोचिंग की उपलब्धता, आर्थिक क्षमता या पेपर लीक जैसी विकृतियों के आधार पर। शिक्षा व्यवस्था का लक्ष्य प्रतिभा को पहचानना होना चाहिए, उसे अनावश्यक दबाव और असमानताओं के जाल में फंसाना नहीं।

भारत जैसे युवा देश के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि प्रतिभा का चयन अवसरों की समानता और ईमानदार प्रतिस्पर्धा के आधार पर हो, न कि कोचिंग की उपलब्धता, आर्थिक क्षमता या पेपर लीक जैसी विकृतियों के आधार पर।

तकनीक की चमक में गायब हुई गुणवत्ता



मंथन

डॉ. सुरेंद्र कुमार

स्वतंत्र स्तंभकार

कें द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और निष्पक्ष बनाने के लिए तकनीक का दामन थामा। डिजिटल मूल्यांकन, ऑन-स्क्रीन मार्किंग, बारकोड आधारित उत्तर पुस्तिकाएं और ऑनलाइन मॉडरेशन जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं का उद्देश्य सिर्फ एक था, मानवीय भूलों को कम करना और पूरे देश में एक समान मानक स्थापित करना। साल 2026 के 12वीं बोर्ड के नतीजों ने इस पूरी चमक-दमक के पीछे छिपी एक गंभीर वास्तविकता को उजागर कर दिया है। परीक्षा परिणाम आते ही जिस तरह देश भर के छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने मूल्यांकन प्रक्रिया पर तीखे सवाल उठाए, उसने एक नई बहस को जन्म दे दिया।

सवाल यह है कि तकनीक के बेहतर इस्तेमाल के बड़े-बड़े दावों के बीच आखिर चूक कहाँ हुई? सबसे जरूरी यह कि आने वाले समय में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए सरकार को क्या कदम उठाने चाहिए? सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली का मूल विचार बहुत प्रगतिशील था, जिसमें शिक्षक कंप्यूटर स्क्रीन पर कॉपियां जांचते हैं ताकि कॉपियों का विवरण आसानी से रखा जा सके और समय पर परिणाम घोषित हो। मगर इस बार के नतीजों ने इस पूरी व्यवस्था पर ही एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। हजारों मेधावी छात्रों ने यह शिकायत की है कि उन्होंने सभी प्रश्नों के पर्याप्त और सही उत्तर लिखे थे फिर भी उन्हें उम्मीद से बहुत कम अंक मिले। सबसे चौंकाने वाली स्थिति कुछ खास विषयों, जैसे फिजिक्स में देखने को मिली, जहां लगभग 58 % छात्रों को फेल या 'रिपीट' की श्रेणी में डाल दिया गया। इतनी बड़ी संख्या में छात्रों का पिछड़ना सीधे तौर पर इस तकनीकी मूल्यांकन की विश्वसनीयता को कटघरे में खड़ा करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विफलता का कारण स्वयं तकनीक नहीं है, बल्कि उसके क्रियान्वयन का तरीका और मशीनों पर हमारी जरूरत से ज्यादा निर्भरता है। इसमें पहली और



बोर्ड को मार्किंग स्कीम और कॉपियों को देखने की प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता अपनानी होगी, तभी छात्रों का भरोसा वापस जीता जा सकेगा। परीक्षा परिणाम के चलते प्रभावित हुए छात्रों के संकट का तत्काल निवारण करना भी बहुत आवश्यक है।

और ही-रेविरिफिकेशन की व्यवस्था भी इस बार बेहद कमजोर साबित हुई। आधुनिक सॉफ्टवेयर होने के बावजूद यह सुनिश्चित नहीं किया जा सका कि हर कॉपी को तय मानकों के अनुसार जांचा जा रहा है या नहीं। परिणाम यह हुआ कि शुरुआती स्तर पर हुई गलतियां बिना किसी रोक-टोक के सीधे फाइनल रिजल्ट तक पहुंच गईं। कॉपियों के डिजिटल होने के बावजूद छात्रों को कोई ऐसा विस्तृत फीडबैक या स्पष्टीकरण नहीं मिला जिससे वे समझ सकें कि उनके अंक आखिर कहाँ और क्यों कटे।

इस पारदर्शिता की कमी ने छात्रों के असंतोष को गहरे अविश्वास में बदल दिया है। अब सवाल

होना चाहिए। यदि किसी छात्र को बहुत असामान्य अंक मिलते हैं तो एआई सिस्टम को उसे स्वतः चिन्हित कर देना चाहिए ताकि वरिष्ठ शिक्षक उस कॉपी को दोबारा देख सकें।

बोर्ड को मार्किंग स्कीम और कॉपियों को देखने की प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता अपनानी होगी, तभी छात्रों का भरोसा वापस जीता जा सकेगा। परीक्षा परिणाम के चलते प्रभावित हुए छात्रों के संकट का तत्काल निवारण करना भी बहुत आवश्यक है। यह अनुभव एक बड़ी चेतावनी है कि शिक्षा में आधुनिकता का स्वागत तो है, लेकिन किसी भी तकनीक को छात्रों के भविष्य की कीमत पर लागू नहीं किया जा सकता।



परीक्षा

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

भारत में 'पेपर लीक' की निरंतर बढ़ती घटनाएं केवल प्रशासनिक विफलता या वित्तीय भ्रष्टाचार का मामला नहीं हैं बल्कि यह देश के भविष्य के साथ होने वाला एक गंभीर क्रूर मजाक है। एक अदद सरकारी नौकरी या प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले के लिए दिन-रात एक करने वाले करोड़ों विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति एक मानसिक विभीषिका जैसी है।

हर साल लाखों युवाओं की उम्मीदें, उनके माता-पिता की गाढ़ी कमाई और सालों की तपस्या एक झटके में पेपर लीक के काले बाजार की भेंट चढ़ जाती है। एक सुरक्षित परीक्षा प्रणाली का ढांचा तीन स्तंभों पर टिकता है- गोपनीयता, सत्यनिष्ठा और उपलब्धता। पेपर लीक की घटनाएं दर्शाती हैं कि हमारे तंत्र में इन तीनों ही स्तरों पर गंभीर कमियां हैं। प्रश्नपत्र तैयार होने से लेकर प्रिंटिंग प्रेस, लॉजिस्टिक्स (परिवहन) और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के बीच कई ऐसे 'लीक प्वाइंट्स' होते हैं, जहां सुरक्षा बेहद कमजोर है। स्थानीय स्तर पर अधिकारियों या निजी एजेंसियों की मिलीभगत से प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर तैरने लगते हैं। दूसरा, पेपर लीक मामले में मजबूत कानून और त्वरित न्याय का अभाव है। राज्य स्तर के कानून इतने लचर हैं कि दोषी कुछ ही दिनों में जमानत पर बाहर आ जाते हैं और दोबारा इसी धंधे में लग जाते हैं। त्वरित और कठोर सजा न होना अपराधियों के हौसले बढ़ाता है। तीसरा परीक्षा लेने वाली एजेंसियों की निजी केंद्रों और आउटसोर्सिंग पर अत्यधिक निर्भरता भी इसका बड़ा कारण है। परीक्षा कराने वाली नोडल एजेंसियों में भी कर्मचारियों की भारी कमी है, जिससे वे बाहरी वेंडर्स पर निर्भर हो जाती हैं। मनोविज्ञान के नजरिए से देखें तो परीक्षा की तैयारी का दौर अपने आप में एक उच्च-तनाव की अवधि होती है। जब इस तनाव के बीच पेपर लीक या परीक्षा रद्द होने की खबर आती है तो विद्यार्थी का मानसिक संतुलन बुरी तरह डगमगा जाता है। नीट पेपर लीक के बाद देशभर के राज्यों



परीक्षा की तैयारी का दौर अपने आप में एक उच्च-तनाव की अवधि होती है। जब परीक्षा रद्द होने की खबर आती है तो विद्यार्थी का मानसिक संतुलन बुरी तरह डगमगा जाता है। नीट पेपर लीक के बाद जिस तरह से युवाओं के आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आईं, वे मानसिक असंतुलन का ही परिणाम हैं।

'लर्नड हेलपलेसनेस' का सिद्धांत यहां सटीक बैठता है। जब छात्रों को लगता है कि उनकी कड़ी मेहनत, बुद्धिमत्ता और प्रयासों का परीक्षा के परिणाम से कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि अंततः पेपर तो पैसे वाले ही खरीद लेंगे तो वे मान लेते हैं कि परिस्थितियां उनके नियंत्रण से बाहर हैं। यह सोच उन्हें गहरे डिप्रेशन की ओर धकेलती है और वे प्रयास करना ही छोड़ देते हैं। पेपर लीक होने पर जब सालों की मेहनत शून्य हो जाती है तो छात्रों में 'आईडेंटिटी क्राइसिस' पैदा होता है। इसके साथ ही रित्तेदारों और समाज के ताने, 'इतने साल से क्या कर रहे हो?' जैसी बातें उनके आत्मसम्मान को पूरी तरह नष्ट कर देती हैं। यही कारण है कि

बाहर रखने के पैसे ही नहीं होते। मानव मस्तिष्क किसी एक लक्ष्य के लिए एक निश्चित समय तक ही उच्चतम एकाग्रता बनाए रख सकता है। परीक्षा के दिन छात्र का मानसिक स्तर चरम पर होता है। परीक्षा टलने या रद्द होने पर वह मानसिक लय टूट जाती है। जब देश की मेधावी युवा शक्ति व्यवस्था से निराश होकर अवसाद और आक्रोश में डूबने लगेंगी तो राष्ट्र निर्माण की नींव भी कमजोर होगी। अब समय आ गया है कि एक पारदर्शी, सुरक्षित और अचूक परीक्षा प्रणाली का निर्माण किया जाए ताकि किसी भी युवा की मेहनत पर भ्रष्टाचार का पानी न फिरे और 'योग्यता' का मान सुरक्षित रहे।

कर्नाटक में कैबिनेट गठन के साथ ही सामने आई तनातनी तो तमिलनाडु में विजय की फिर विजय

यह मामला राजनीतिक चुनौती बन गया सीएम शिवकुमार ने कहा- यहां सब कुछ ठीक चल रहा, लेकिन रामलिंगा रेड्डी इस्तीफे पर अड़े

एजेंसी ►►बेंगलुरु

कर्नाटक की नई कांग्रेस सरकार के गठन के महज 3 दिन बाद ही मंत्री रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे को लेकर पैदा हुआ विवाद सरकार के लिए पहली बड़ी राजनीतिक चुनौती बन गया है। शनिवार को रेड्डी ने संकेत दिए कि वह अपने इस्तीफे पर अंतिम फैसला लेने से पहले कांग्रेस नेतृत्व और मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच चल रही बातचीत के नतीजे का इंतजार करेंगे। रेड्डी का बयान ऐसे समय में आया है जब सीएम शिवकुमार ने बताया कि मामला सुलझ गया है। शिवकुमार ने यह भी कहा कि रेड्डी उनके मित्र हैं।



सीएम शिवकुमार से मिलते नेतागण

किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेंगे इस्तीफा

शिवकुमार ने रेड्डी के इस्तीफे को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इसे चर्चाओं के जरिए सुलझाया जाएगा। हालातों को शांत करने के कांग्रेस नेतृत्व के प्रयासों के बीच शिवकुमार की यह टिप्पणी सामने आई है। हम किसी भी परिस्थिति में हम उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं करेंगे। डीके ने कहा रेड्डी का इस्तीफा मिला है, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि कोई भी फैसला लेने से पहले चर्चाएं जारी रहेंगी।

उन्हें दिया गया आश्वासन पूरा नहीं किया

रेड्डी ने उस समय इस्तीफे की घोषणा कर दी थी, जब उन्हें बंगलूरु विकास विभाग के बजाय प्रमुख व मध्यम सिंचाई विभाग (मेजर एंड मीडियम इरिगेशन) का प्रभार सौंपा गया।उन्हें जो आश्वासन दिया गया था, उसके पूरा नहीं होने से वह निराश हैं।

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर टीवीके में एआईएडीएमके के 4 पूर्व मंत्री डीएमके के पूर्व विधायक हो गए शामिल एआईएडीएमके कई वर्षों तक सत्ता में रही

चेन्नई। तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगना वेत्री कन्नयम यानी टीवीके को शुक्रवार को एक बड़ी ताकत मिली। पुरानी और बड़ी पार्टियों के 5 बड़े नेता टीवीके में शामिल हो गए। इनमें से 4 नेता एआईएडीएमके के पूर्व मंत्री हैं और एक डीएणके के पूर्व विधायक हैं। टीवीके के नायक हैं विजय। अब तक विजय सिर्फ फिल्मों में थे, लेकिन उन्होंने राजनीति में भी कदम रखा और सीधे मुख्यमंत्री बन गए। 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में टीवीके ने शानदार प्रदर्शन किया और कुछ अन्य दलों की मदद से प्रदेश में सरकार बना ली।



सीएम विजय

पार्टी ने किया उनका स्वागत

एआईएडीएमके से 4 नेता टीवीके में आए हैं। एआईएडीएमके तमिलनाडु की सबसे पुरानी और बड़ी पार्टियों में से एक है। इस पार्टी की सरकार पहले तमिलनाडु में रह चुकी है। ये हैं एमसी संपत, एनआर शिवापति, कर्दंबूर सी राजू और उदुमलाई के राधाकृष्णन। ये चारों एआईएडीएमके की सरकार में मंत्री रह चुके हैं यानी इनका राजनीतिक अनुभव बहुत लंबा है और तमिलनाडु की जनता इन्हें जानती है। पार्टी के महासचिव आनंद और चुनाव प्रबंधन महासचिव आदव अर्जुन ने उनका स्वागत किया। 2026 के विधानसभा चुनावों में उदुमलाई राधाकृष्णन उदुमलपेट सीट से हार गए थे। कर्दंबूर राजू कौविलपट्टी से चुनाव हार गए और संपथ चिंदबरम में तीसरे स्थान पर रहे।

खबर संक्षेप

10 कॉलेजों का होगा विलय, छात्रों को देंगे मदद

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने 75 से कम छात्र संख्या वाले 10 कॉलेजों के विलय के आदेश जारी कर दिए हैं। इन 10 कॉलेजों में 448 छात्र अध्ययनरत हैं। इनमें राजकीय महाविद्यालय टिककर और राजकीय डिग्री कॉलेज भलेई में केवल 8-8 छात्र हैं, जबकि राजकीय डिग्री कॉलेज रोनाहाट में 70 छात्र दर्ज किए गए हैं। जिन्हें दूसरे कॉलेजों में जाना होगा।

ब्लास्ट मामले में टीएमसी का पूर्व विधायक गिरफ्तार

कोलकाता। भांगर ब्लास्ट के मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी ने टीएमसी के पूर्व विधायक सौकल मोल्ला को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले एजेंसी ने ब्लास्ट मामले में मोल्ला को भगौड़ा घोषित किया था। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए टीएमसी कार्यालय और मोल्ला के तमाम ठिकानों पर छापेमारी की थी। पहले 8 ठिकानों पर रेड की गई।

तस्करों की साढ़े तीन करोड़ की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर। श्रीनगर में 2कथित मादक पदार्थ तस्करों की करीब 3.5 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की गई है। यह कार्रवाई मादक पदार्थ तस्करों पर पुलिस की धरपकड़ और 'नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान' के तहत कथित तौर पर शशीले पदार्थों के धंधे से बनाई गई संपत्तियों को निशाना बनाने की कोशिशों के साथ की गई। पहले मामले में, निगीन पुलिस ने कार्रवाई की।

कोटा में सोते हुए महंत की चाकू से हत्या की काटा।

कोटा शहर के बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में चंद्रसेल मठ के महंत की अज्ञात बदमाशों ने देर रात चाकू से गोद गोदकर हत्या कर दी। बदमाशों ने सोते हुए महंत पर ताबड़तोड़ चाकू से वार किया और मौके से फरार हो गए। इस हमले में चंद्रसेल गांव स्थित मठ में मायापुरी अखाड़े के 35 वर्षिया महंत देवानंद महाराज की मौके पर ही मौत हो गई। इससे सनसनी फैली है।

वायनाड के स्कूल में 150 छात्र बीमार

वायनाड। केरल के वायनाड में कोयलाडी स्थित एक एडेड अपर प्राइमरी स्कूल के लगभग 150 छात्र पिछले 3 दिन से बुखार और उल्टी का इलाज करा रहे हैं। ये बच्चे भारू बेसेलियस एडेड अपर प्राइमरी स्कूल के छात्र हैं और इनमें से 38 बच्चों को, जिन्हें लगातार परेशानी हो रही थी, बाथेरी तालुक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिंता करने की कोई बात नहीं है।

पश्चिम बंगाल में केंद्र सरकार ने बुलेट ट्रेन का किया ऐलान दिल्ली-सिलीगुड़ी के बीच समय की होगी बचत, 5 वर्ष में कोलकाता मेट्रो के लिए नई पीढ़ी की 60 ट्रेनें शुरू होंगी

एजेंसी ►►कोलकाता

अब बंगाल का किया जाएगा कार्याकल्प

रेल प्रोजेक्ट समय पर होंगे पूरे

बंगाल में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर रेल मंत्री वैष्णव ने अहम घोषणाएं कीं

राज्य सचिवालय नबान्न में की बैठक

राज्य सचिवालय नबान्न में सुवेंदु के साथ बैठक के दौरान रेल मंत्री ने कहा कि कोलकाता मेट्रो नेटवर्क के केवल 28 किमी हिस्से का निर्माण 42 वर्षों में पूरा हुआ था, जबकि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से 45 किमी नई मेट्रो लाइन जोड़ी गई है। 5 वर्षों में नई पीढ़ी की 60 ट्रेन शुरू की जाएंगी।

बंगाल में 63 लाख लोगों के राशन कार्ड होंगे रद्द

सुवेंदु सरकार ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की 'खाद्य साथी योजना' के तहत मुफ्त और सस्ते अनाज का लाभ ले रहे अपात्र और फर्जी लाभार्थियों को बाहर निकालने के लिए एक व्यापक अभियान शुरू किया है। इससे बोझ बढ़ रहा था। नियमों के दायरे से बाहर के राशन कार्डों को चिन्हित कर डिलीट किया जाएगा। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के मुताबिक, विशेष गहन समीक्षा के दौरान जिन 63 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उनके राशन कार्डों की तुरंत पहचान कर उन्हें रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

यूसुफ इस्तीफा दे दे, दादा ने बताया सारे आरोप झूठे

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने उन मीडिया रिपोटर्स को खारिज किया है, जिसमें दावा किया गया था कि ममता ने उनके जरिए यूसुफ पठान को बहरामपुर सीट छोड़ने मैसेज भिजवाया था। 'दादा' ने कहा ये आरोप झूठे हैं और वे संदेश पहुंचाने के काम में शामिल नहीं रहे। चर्चा थी कि ममता ने सौरव से कहा है कि वे यूसुफ से कहें कि बहरामपुर सीट से इस्तीफा दे दें, ताकि ममता उपचुनाव लड़ सकें।

ममता ने सौरव से भिजवाया था मैसेज

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने उन मीडिया रिपोटर्स को खारिज किया है, जिसमें दावा किया गया था कि ममता ने उनके जरिए यूसुफ पठान को बहरामपुर सीट छोड़ने मैसेज भिजवाया था। 'दादा' ने कहा ये आरोप झूठे हैं और वे संदेश पहुंचाने के काम में शामिल नहीं रहे। चर्चा थी कि ममता ने सौरव से कहा है कि वे यूसुफ से कहें कि बहरामपुर सीट से इस्तीफा दे दें, ताकि ममता उपचुनाव लड़ सकें।

खेल मंत्री निसिथ का टीएमसी पर हमला

पिछले 15 वर्षों में खिलाड़ियों के साथ भेदभाव किया

बंगाल सरकार के खेल मंत्री निसिथ प्रमाणिक ने राज्य की खेल व्यवस्था को लेकर टीएमसी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि पिछले 15 वर्षों का दौर बंगाल के लिए अंधकार युग रहा, जबकि अब राज्य में बदलाव और विकास की नई शुरुआत हुई है। प्रमाणिक ने कहा कि टीएमसी शासन के दौरान केवल राजनीति और विकास ही नहीं, बल्कि खेल क्षेत्र भी प्रभावित हुआ।

मुख्यमंत्री ने राज्य से आतंकवाद खत्म करने का दिया भरोसा

बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने शनिवार को उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में टीएमसी के एक नेता से जुड़े तालाब से बड़ी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद किए। ये हथियार कथित तौर पर तालाब में छिपाकर रखे गए थे। एसटीएफ ने संदेशखाली और आसपास के इलाकों में छापेमारी की। पूर्व तृणमूल क्षेत्रीय अध्यक्ष रॉबिन दास से जुड़े एक तालाब से बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए।

संदेशखाली में टीएमसी नेता के तालाब से हथियारों का जखीरा बरामद

दोनों भाई छापेमारी से पहले फरार

एसटीएफ ने केंद्रीय बलों के साथ मिलकर आसपास के अन्य इलाकों में भी सर्च ऑपरेशन किया। अधिकारियों ने बताया कि फरार दोनों भाइयों की तलाश के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। भाजपा विधायक सजल घोष ने आरोप लगाया कि आम लोगों खतरे में डाल रहे थे।

सुवेंदु ने की तारीफ

सुवेंदु ने इस कार्रवाई को अवैध हथियारों के नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता बताया और पुलिस की सराहना की। सुवेंदु ने कहा कि कुमराखाली, बसंती और संदेशखाली में व्यापक छापेमारी की और शांति भंग करने के उद्देश्य से छिपाकर रखे बड़ी मात्रा में अवैध हथियार जप्त किए।

तृणमूल में हस्ताक्षर वार

ऋतब्रत ने उठाई फर्जीवाड़े की आशंका

बंगाल में टीएमसी के अंदर जारी सत्ता संघर्ष अब नए विवाद में बदल गया है। ममता के कालीघाट स्थित आवास पर हुई टीएमसी विधायकों की बैठकों से जुड़े दस्तावेज सामने आने के बाद पार्टी में हथचल तेज हो गई है। इन दस्तावेजों में विधायकों के हस्ताक्षर और बैठक में मौजूदगी का दावा किया गया है। नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत बेनर्जी ने इन दस्तावेजों की सच्चाई पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है।

पंजाब के फिरोजपुर में सड़क हादसा पिकअप और ट्रॉली की टक्कर में 9 की मौत, 15 लोग घायल

एजेंसी ►►फिरोजपुर

पंजाब के फिरोजपुर में फाजिल्का रोड पर शनिवार सुबह एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। जंगा वाले मोड़ के निकट एक पिकअप गाड़ी और घोड़ा ट्राला के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।



हादसा

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पिकअप गाड़ी में सवार लोग परिजन की अस्थियां विसर्जित करने के लिए जा रहे थे। यात्रा के दौरान जब वाहन जंगा वाले मोड़ के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे घोड़ा ट्राला के साथ उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि पिकअप गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें बैठे कई लोग अंदर ही फंस गए। अंशप्रीत ने बताया कि सुबह 3:30 बजे वह घर से अस्थियां लेकर करीब 30 लोग रवाना हुए थे।

खान सर ने नहीं किया सरेंडर अग्रिम जमानत याचिका देंगे

एजेंसी ►►पटना

फैजल खान उर्फ खान सर पर प्राथमिकी दर्ज हुए 24 घंटे बीत गए, लेकिन पटना पुलिस उनको गिरफ्तार नहीं कर पाई। अब खान के वकील पटना सिविल कोर्ट पहुंचे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे सरेंडर नहीं करेंगे। पटना पुलिस ने गलत आरोप लगाकर उन पर प्राथमिकी दर्ज की है। पूरी एफआईआर ही गलत है। उन्होंने गोली चलाने का आदेश भी नहीं दिया है। हम कोर्ट वजह से गोली भी नहीं चली। उन्हें फंसाया जा रहा है। इसलिए वे सरेंडर नहीं करेंगे। वकील ने अग्रिम जमानत याचिका दायर करने की कोशिश की लेकिन समय खत्म होने के कारण वह आज ऐसा नहीं कर पाए। इसलिए सोमवार को जमानत याचिका दायर कर सकते हैं।

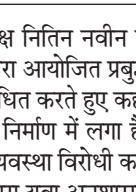


फैजल खान

हमारा युवा अनुशासन और इनोवेशन के साथ देश को आगे बढ़ा रहा: नवीन भाजपा अध्यक्ष ने रांची में प्रदेश भाजपा द्वारा आयोजित प्रबुद्ध लोगों की गोष्ठी को संबोधित किया, विपक्ष पर हमला

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रांची में प्रदेश भाजपा द्वारा आयोजित प्रबुद्ध लोगों की गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का युवा देश निर्माण में लगा है। कुछ लोग युवाओं को व्यवस्था विरोधी कह रहे हैं, जो गलत है। हमारा युवा अनुशासन और इनोवेशन के साथ देश को आगे बढ़ा रहा है। प्रबुद्ध नागरिक संवाद का विषय विकसित भारत- 2024 था। उन्होंने कहा कि जो लोग इस देश के युवाओं को नकारात्मक राजनीति के लिए लै जाना चाहते हैं वो सफल नहीं होंगे। कुछ लोग विदेश में बैठकर ये सोच लेते हैं कि हम भारत के युवाओं को दिशा दे देंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वादे के मुताबिक सबके लिए अच्छे दिन लाने का प्रयास किया है। आज मोदी सरकार ने देश में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। केंद्र सरकार ने 80 करोड़ लोगों को पांच किलो अनाज मुफ्त में दे रही है। 60 करोड़ परिवार को मोदी सरकार ने आयुष्मान योजना का लाभ दिया है। 2047 तक विकसित भारत बनाना मोदी सरकार का सपना है। देश के सभी वर्ग को अपने हिस्से का सहयोग करना होगा तभी यह सपना साकार हो पाएगा। नितिन नवीन ने कहा कि हम सबसे बड़े युवा आबादी वाले देश हैं। दो लाख से अधिक स्टार्टअप देश में चल रहे हैं। देश के युवा रोजगार पाने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बन रहे हैं। 125 से अधिक युनिकार्न देश में कार्यरत हैं जो युवाओं के कौशल और उद्यमिता का प्रतीक है। एआइ की सभी बड़ी कंपनियां भारत को हब बनाना चाहती है। नवीन ने कहा कि भारत का युवा किसान के साथ चौपाल में रहता है, कालेज कैम्पस में रहता है। भारत का युवा दिल्ली में बैठे कुछ लोगों की कठपुतली बनकर आगे नहीं बढ़ने वाला। उन्होंने कहा, देश की आधी आबादी को हम पूरा सम्मान देंगे और 33 प्रतिशत आरक्षण का जो संकल्प हमने लिया है, आने वाले समय में हम इसे जरूर पूरा करेंगे। पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने में महिलाओं ने बहुत बड़ा योगदान दिया।



नवीन शrivastava

खुशखबर...देर से ही सही, लेकिन दुरुस्त आ रहा मानसून तेजी से बढ़ रहा, महाराष्ट्र और गोवा में झमाझम शुरू

एजेंसी ►►नई दिल्ली

मानसून इस साल भले देरी से पहुंचा हो, लेकिन वह तेजी से बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने बताया 6 जून को मानसून महाराष्ट्र, गोवा, आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों, कर्नाटक के कुछ हिस्सों, तमिलनाडु में कुछ हिस्सों में पहुंच चुका है। अब 7 दिन तक केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, पूर्वोत्तर भारत में बहुत भारी बारिश होगी। महाराष्ट्र, गोवा में भी तेज बारिश का अलर्ट है। 6-12 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, 7 से 12 जून के दौरान नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में काफी ज्यादा बारिश की चेतावनी है। 8-9 जून को असम, मेघालय में कहीं-कहीं आंधी तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाओं चलने का अलर्ट है।

आंधी- तूफान बिजली कड़कने की भी संभावना

दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं आंधी तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाओं का अनुमान है। 7 जून को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में तेज हवाएं चलेंगी। 6-7 जून के दौरान केरल, माहे, लक्षद्वीप में, 6-10 जून के दौरान तटीय कर्नाटक में कहीं-कहीं आंधी तूफान और बिजली कड़केंगी।

आंध्र, कर्नाटक व तेलंगाना में भी होगी बारिश

6-12 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, तमिलनाडु, पुदुचेरी, कराईकल में, 12 जून को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में, 8-12 जून के दौरान दक्षिणी कर्नाटक में, 6-11 जून के दौरान रायलसीमा में, 6-10 जून और 12 जून को तेलंगाना में बारिश होने वाली है। 6-12 जून के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल, माहे, लक्षद्वीप, 6-11 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में बारिश होगी।

बारिश के साथ ही तेज हवाएं भी चलेंगी

इस बीच जम्मू कश्मीर में काफी ज्यादा व्यापक बारिश का अलर्ट है। 11-12 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश, 6-12 जून के दौरान उत्तराखंड में छिटपुट बारिश होगी। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब, 11-12 जून , उत्तर प्रदेश, 10-12 जून के दौरान पूर्वी यूपी, 6-7 जून के दौरान पश्चिमी राजस्थान, 6-12 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं बारिश होगी।

नीट-यूजी पेपर लीक मामला शुभम की न्यायिक हिरासत बड़ी मनीषा पर फैसला 9 को होगा

एजेंसी ►►नई दिल्ली

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी शुभम खेरनार की न्यायिक हिरासत 15 जून तक बढ़ा दी। मामले की एक अन्य आरोपी मनीषा वाघमारे की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला 9 जून के लिए सुरक्षित रख लिया है। सीबीआई ने वाघमारे की जमानत का कड़ा विरोध करते हुए उन्हें पूरे षड्यंत्र की अहम साजिशकर्ता बताया है।



शुभम खेरनार

धन का लेन-देन भी किया गया

विशेष सीबीआई न्यायाधीश अजय गुप्ता की अदालत में वाघमारे की ओर से अधिवक्ता श्रेयस गच्छे और सीबीआई की ओर से वरिष्ठ लोक अभियोजक नीतू सिंह ने पक्ष रखे। इस दौरान धन के लेनदेन की भी बात सामने आई।

पे-रोल लिंकड एसआईपी

वेतन से सीधे निवेश करने का नया रास्ता

कर्मचारियों के लिए धन सृजन का सबसे आसान फॉर्मूला

सेबी का प्रस्ताव बचत व निवेश की आदत को मजबूत करेगा

जोखिमभरी ट्रेडिंग से दूर होकर दीर्घकालिक संपत्ति बना सकेंगे

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क



सफलता अगले स्तर पर ले जाने की कोशिश

एसआईपी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह निवेश को नियमित और स्वचालित बनाती है। निवेशक को हर महीने अलग से निधि लेने की आवश्यकता नहीं होती। यही कारण है कि देश में **SIP** के माध्यम से हर महीने हजारों करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। पेरोल-लिंकड एसआईपी इस अवधारणा को और आगे बढ़ाता है। इसमें कर्मचारी को निवेश शुरू करने या हर महीने भुगतान की चिंता नहीं करनी होगी। वेतन जारी होते ही निर्धारित राशि निवेश हो जाएगी। इससे निवेश की निरंतरता बनी रहेगी और धन सृजन की प्रक्रिया स्वतः चलती रहेगी।

पहले बचत, फिर खर्च की आदत

अधिकांश लोग वेतन मिलने के बाद पहले खर्च करते हैं और बाद में बची राशि निवेश करने की सोचते हैं। कई बार महीने के अंत तक निवेश के लिए पैसा ही नहीं बचता। पेरोल एसआईपी इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। निवेश की राशि पहले ही कट जाएगी, जिससे बचत और निवेश को प्राथमिकता मिलेगी।

निवेश में अनुशासन

निवेश का सबसे कठिन हिस्सा नियमितता बनाए रखना होता है। नौकरी, घरेलू खर्च और अन्य जिम्मेदारियों के कारण लोग एसआईपी बंद कर देते हैं या किसी छेड़ देते हैं। पेरोल आधारित व्यवस्था निवेश को स्वचालित बनाकर इस समस्या को काफी हद तक समाप्त कर सकती है।

लंबी अवधि में बड़ा फंड

नियमित निवेश और चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) का लाभ मिलकर समय के साथ बड़ी संपत्ति तैयार कर सकते हैं। यदि कोई कर्मचारी लंबे समय तक हर महीने छोटी राशि भी निवेश करता है तो वह भविष्य में बड़ा कोष तैयार कर सकता है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ लंबे समय तक **SIP** जारी रखने पर जोर देते हैं।

एफएंडओ ट्रेडिंग में नुकसान

हाल के वर्षों में फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस ट्रेडिंग में खुदरा निवेशकों की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि अधिकांश निवेशकों को इसमें नुकसान उठाना पड़ रहा है। सेबी के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में लगभग 91 प्रतिशत व्यक्तिगत डेरीवेटिव ट्रेडर्स को नुकसान हुआ और कुल नुकसान एक लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

घरेलू पूंजी को मजबूत करना

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है, लेकिन वैश्विक परिस्थितियों के कारण विदेशी निवेश में उतार-चढ़ाव आता रहता है। इसके विपरीत घरेलू संस्थागत निवेशक और **SIP** निवेश लगातार बाजार को सहारा देते हैं। पेरोल-लिंकड **SIP** के माध्यम से घरेलू निवेश का आधार और मजबूत हो सकता है।

व्यवहारिक मनोविज्ञान का उपयोग

इस प्रस्ताव की खास बात यह है कि यह लोगों की वित्तीय आदतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। पहला, पैसा निवेश होने के बाद ही कर्मचारी के हाथ में पहुंचेगा, इसलिए उसे खर्च करने या जोखिमपूर्ण ट्रेडिंग में लगाने की संभावना कम होगी। दूसरा, अधिकांश लोग किसी डिफॉल्ट व्यवस्था को बदलना पसंद नहीं करते। यदि डिफॉल्ट विकल्प निवेश है तो लोग नियमित निवेश जारी रखेंगे। तीसरा, हर महीने बढ़ती निवेश राशि कर्मचारियों को अपने वित्तीय लक्ष्यों के प्रति अधिक जागरूक बनाएगी और उनमें निवेशक की सोच विकसित होगी।

योजना की सफलता के लिए क्या जरूरी है

विशेषज्ञों का मानना है कि **म्यूचुअल फंड** से निकासी की प्रक्रिया को और तेज बनाना होगा। वर्तमान में इक्विटी **म्यूचुअल फंड** से पैसा निकालने पर आमतौर पर एक से दो दिन का समय लगता है। जबकि बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट तोड़ने पर राशि अपेक्षाकृत जल्दी मिल जाती है। यदि निवेशकों को जरूरत पड़ने पर जल्द पैसा उपलब्ध हो जाए तो उनका भरोसा बढ़ेगा और वे अधिक उत्साह से इस योजना में भाग लेंगे। डिजिटल भुगतान और यूपीआई के दौर में निवेशकों की अपेक्षा भी तेज और सुविधाजनक सेवाओं की है।

पैसों को लेकर अपनाएं सही आदतें, भविष्य होगा सुरक्षित

सुझाव
बिजनेस डेस्क

20 साल की उम्र जिंदगी का वह पड़ाव है, जब पहली नौकरी, अपनी कमाई और आर्थिक स्वतंत्रता का एहसास एक साथ मिलता है। यही वह समय भी होता है जब वित्तीय आदतों की नींव पड़ती है। यदि इस दौर में पैसों को लेकर सही फैसले लिए जाएं तो भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित और मजबूत बन सकता है। वहीं कुछ सामान्य गलतियां लंबे समय में आर्थिक लक्ष्यों को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि कम उम्र से ही बचत, निवेश और खर्च के बीच संतुलन बनाना सीखा जाए। कमाई शुरू होने के बाद अक्सर युवा अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने में जुट जाते हैं। महंगे रेस्तरां, ऑनलाइन शॉपिंग, छुट्टियां और नए गैजेट्स पर खर्च बढ़ जाता है। जीवन का आनंद लेना गलत नहीं है, लेकिन यदि आय बढ़ने के साथ बचत और निवेश नहीं बढ़ते तो भविष्य में आर्थिक चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर वेतन वृद्धि का एक हिस्सा सीधे बचत या निवेश में लगाया जाए। इससे धीरे-धीरे मजबूत वित्तीय आधार तैयार होता है और बड़े लक्ष्यों को हासिल करना आसान हो जाता है।

जल्दी निवेश से बड़ा फायदा

निवेश की दुनिया में समय सबसे बड़ा साथी माना जाता है। कई युवा यह सोचकर निवेश टालते रहते हैं कि अभी उम्र कम है और बाद में शुरूआत कर लेंगे। लेकिन जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, उतना अधिक फायदा चक्रवृद्धि यानी कंपाउंडिंग का मिलता है। छोटी-छोटी रकम का नियमित निवेश भी लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर सकता है। इसलिए पहली नौकरी के साथ ही निवेश की आदत विकसित करना भविष्य के लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

क्रेडिट कार्ड का प्रयोग समझदारी से करें

क्रेडिट कार्ड सुविधा जरूर देता है, लेकिन इसे अतिरिक्त आय समझना बड़ी गलती हो सकती है। कई युवा जरूरत से ज्यादा खर्च कर लेते हैं और बाद में भुगतान करने में परेशानी का सामना करते हैं। समय पर भुगतान न होने पर भारी ब्याज देना पड़ सकता है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। इसलिए क्रेडिट कार्ड का उपयोग केवल उतना ही करना चाहिए, जितना आसानी से चुकाया जा सके। जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने पर यह अछड़ वित्तीय साधन साबित हो सकता है।

निवेश के उद्देश्य अलग-अलग हैं

कम उम्र में कई लोग ऐसे उद्पाद चुन लेते हैं जो बीमा और निवेश दोनों का दावा करते हैं। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि बीमा का उद्देश्य सुरक्षा देना है, जबकि निवेश का उद्देश्य संपत्ति बनाना होता है। इसलिए पर्याप्त बीमा सुरक्षा के लिए अलग योजना और निवेश के लिए अलग विकल्प चुनना अधिक बेहतर माना जाता है। इससे दोनों लक्ष्यों को प्रभावी तरीके से पूरा किया जा सकता है।



इमरजेंसी फंड देता है आर्थिक सुरक्षा

जीवन में कब कोई अप्रत्याशित स्थिति आ जाए, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। नौकरी छूटना, अचानक स्वास्थ्य संबंधी खर्च या किसी अन्य अपात स्थिति में आर्थिक संकट पैदा हो सकता है। ऐसे समय में आपातकालीन फंड बड़ी राहत देता है। विशेषज्ञ कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर राशि अलग रखने की सलाह देते हैं। यह फंड मुश्किल समय में कर्ज लेने की जरूरत को कम कर सकता है।

वित्तीय लक्ष्य तय करना भी है जरूरी



सिर्फ कमाना और निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है। यह भी जरूरी है कि निवेश का उद्देश्य स्पष्ट हो। घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा, व्यवसाय शुरू करना या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग योजना बनानी चाहिए।

स्पष्ट लक्ष्य होने से सही निवेश विकल्प चुनने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में मदद मिलती है। लक्ष्य आधारित निवेश लंबे समय में बेहतर परिणाम दे सकता है।

सही आदतें बनाती हैं मजबूत भविष्य

20 की उम्र में अपनाई गई अच्छी वित्तीय आदतें भविष्य की आर्थिक सफलता का आधार बनती हैं। नियमित बचत, समय पर निवेश, नियंत्रित खर्च, पर्याप्त बीमा और आपातकालीन फंड जैसी आदतें आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करती हैं। युवावस्था में लिया गया हर समझदारी भरा वित्तीय फैसला आने वाले वर्षों में आर्थिक स्वतंत्रता और स्थिरता का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। इसलिए आज बनाई गई अच्छी आदतें ही कल के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की नींव बनती हैं।



अब बिना सैलरी वाले भी ले सकते हैं किराए पर टैक्स छूट

- **फ्रीलांसर, बिजनेसमैन और सेल्फ-एम्प्लॉयड लोगों के लिए राहत**
- **एचआरए के बिना भी उपलब्ध है टैक्स छूट, जाने सेवान 80जीजी नियम**
- **छूट का दावा करने से पहले कुछ शर्तों को भी पूरा करना जरूरी**
- **छोटी-सी छूट पड़ सकती है भारी, इन सामान्य गलतियों से बचें**

बचत मंत्र
बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने का मौसम शुरू हो चुका है और अधिकांश लोग सैलम शुरू करने के विकल्प तलाश रहे हैं। आम धारणा यह है कि मकान किराए पर टैक्स छूट यानी हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) का लाभ केवल नौकरीपेशा लोगों को मिलता है, क्योंकि यह उनके वेतन पैकेज का हिस्सा होता है, लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। यदि आप नौकरीपेशा नहीं हैं, फ्रीलांसर हैं, स्वरोजगार करते हैं, व्यवसायी हैं या आपकी कंपनी आपको एचआरए उपलब्ध नहीं कराती, तब भी आप घर के किराए पर टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं। आयकर अधिनियम की धारा 80जीजी तथा नए आयकर कानून 2025 की धारा 134 के तहत ऐसे करदाताओं को किराए पर टैक्स राहत प्रदान की जाती है। हालांकि इसका लाभ लेने के लिए कुछ निर्धारित शर्तों का पालन करना आवश्यक है। साथ ही यह छूट केवल पुरानी कर व्यवस्था चुनने वाले करदाताओं को ही उपलब्ध होती है।

व्या है सेवान 80जीजी

सेवान 80जीजी उन लोगों के लिए बनाया गया है जिन्हें किसी भी रूप में एचआरए नहीं मिलता, लेकिन वे किराए के मकान में रहते हैं और नियमित रूप से किराया अदा करते हैं। यह प्रावधान विशेष रूप से फ्रीलांसर, डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, छोटे व्यापारी, सलाहकार और अन्य स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। हालांकि इस छूट का लाभ लेने के लिए कुछ महत्वपूर्ण शर्तें पूरी करनी होती हैं।

जरूरी पात्रता शर्तें

करदाता को नौकरी या व्यवसाय से किसी प्रकार का एचआरए प्राप्त नहीं होना चाहिए। वह वास्तव में किराए के मकान में रह रहा हो और किराया चुका रहा हो। जिस शहर में वह रहता या काम करता है, वहां उसके नाम, उसके जीवनसाथी, नाबालिग बच्चों या हिंदू अविवाहित

जानकारी
बिजनेस डेस्क

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) देश की सबसे भरोसेमंद और लोकप्रिय बचत योजनाओं में से एक है। सरकारी गारंटी, टैक्स छूट और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न के कारण यह निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। अधिकांश लोग इसे केवल टैक्स बचाने का साधन मानते हैं, लेकिन सही रणनीति अपनाकर इससे बेहतर रिटर्न भी हासिल किया जा सकता है। खास बात यह है कि पीपीएफ में केवल निवेश की राशि ही नहीं, बल्कि निवेश की तारीख भी आपके रिटर्न को प्रभावित करती है। यदि निवेशक हर महीने सही समय पर पैसा जमा करें तो उन्हें अतिरिक्त ब्याज का लाभ मिल सकता है, जो लंबे समय में बड़ी रकम में बदल सकता है।

हर महीने 5 तारीख क्यों मानी जाती है महत्वपूर्ण

पीपीएफ खाते में ब्याज की गणना एक खास नियम के तहत की जाती है। प्रत्येक महीने की 5 तारीख और महीने के अंतिम दिन के बीच खाते में मौजूद न्यूनतम बैलेंस पर ब्याज तय किया जाता है। इसका मतलब है कि यदि कोई निवेशक किसी महीने की 5 तारीख या उससे पहले पैसा जमा करता है, तो उस रकम पर उसी महीने से ब्याज मिलना शुरू हो जाता है। इसके विपरीत यदि पैसा 5 तारीख के बाद जमा किया जाता है, तो उस पर ब्याज अगले महीने से लागू होता है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन 15 वर्षों जैसी लंबी अवधि में यही अतिरिक्त ब्याज निवेशक की कुल संपत्ति को काफी बढ़ा सकता है।

देश में **म्यूचुअल फंड** और एसआईपी निवेश तेजी से बढ़ रहा है। हर महीने लाखों लोग भविष्य की आर्थिक सुरक्षा और बड़ा फंड बनाने के उद्देश्य से एसआईपी शुरू कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि मार्च 2026 में एसआईपी के जरिए निवेश 32 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में काफी ज्यादा है। इसके बावजूद कई एलोकेशन यानी निवेश का सही बंटवारा न होना है। अधिकतर लोग "सबसे अच्छा फंड" चुनने में समय लगाते हैं, लेकिन यह तय नहीं करते कि पैसा इक्विटी, डेट, गोल्ड या लिक्विड फंड में कितना बांटना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल अच्छा फंड चुनना काफी नहीं होता, बल्कि सही एसेट एलोकेशन ही लंबे समय में संपत्ति बनाने की असली कुंजी है। क्या होता है एसेट एलोकेशन?

एसेट एलोकेशन का मतलब है अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लास में बांटना। इसमें इक्विटी म्यूचुअल फंड, डेट फंड, गोल्ड, लिक्विड फंड और इंटरवेंशनल निवेश शामिल हो सकते हैं।

पीपीएफ में निवेश का सही समय भी बढ़ा सकता है आपका रिटर्न

छोटी-सी सावधानी बरतने से ही मिल जाएगा बड़ा फायदा



नियमित निवेश के साथ बढ़ता

है कंपाउंडिंग का फायदा

पीपीएफ की सबसे बड़ी ताकत कंपाउंडिंग यानी चक्रवृद्धि ब्याज है। निवेश पर मिलने वाला ब्याज भी आगे चलकर ब्याज कमाने लगता है। यही कारण है कि लंबे समय तक नियमित निवेश करने वाले निवेशकों को बड़ा लाभ मिलता है। यदि निवेशक हर महीने की 5 तारीख से पहले निर्धारित राशि जमा करते हैं तो उनके खाते में अधिक समय तक ब्याज जुड़ता रहता है। इससे मैथ्योरिटी के समय मिलने वाली राशि में सकारात्मक अंतर देखने को मिलता है।

अप्रैल में निवेश करने वालों को

अतिरिक्त लाभ

पीपीएफ में एक वित्त वर्ष के दौरान अधिकतम 15 लाख रुपये तक निवेश किया जा सकता है। जिन निवेशकों के पास पर्याप्त धन उपलब्ध है, वे वित्त वर्ष की शुरुआत यानी अप्रैल में ही पूरी राशि जमा कर सकते हैं। ऐसा करने पर पूरी रकम पूरे वर्ष के लिए ब्याज अर्जित करती है, जिससे कुल रिटर्न बढ़ जाता है। हालांकि अधिकांश वेतनभोगी निवेशकों के लिए एकमुष्ट निवेश करना संभव नहीं होता। ऐसे में मासिक निवेश एक बेहतर विकल्प माना जाता है।

गलत एसेट एलोकेशन और जल्दबाजी से बिगड़ती है निवेश की रणनीति

एसआईपी में पैसा लगाने के बाद भी क्यों नहीं बन पाती दौलत?

अक्सर ये गलतियां कर बैठते हैं निवेशक

गलती नंबर 1 : जोखिम उठाने की क्षमता और इच्छा में क्षम

कई निवेशक सोचते हैं कि वे ज्यादा जोखिम उठा सकते हैं, इसलिए पूरा पैसा इक्विटी में लगा देते हैं। लेकिन बाजार गिरते ही घबरा कर निवेश निकाल लेते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक जोखिम उठाने की इच्छा और वास्तविक वित्तीय क्षमता अलग-अलग चीजें हैं। यदि किसी व्यक्ति पर होम लोन, परिवार की जिम्मेदारी या नौकरी की अनिश्चितता है तो उसके लिए 100 प्रतिशत इक्विटी निवेश सही नहीं माना जाता। बाजार में बड़ी गिरावट आने पर ऐसे निवेशक अक्सर नुकसान में पैसा निकाल लेते हैं।

गलती नंबर 2 : डेट फंड को पूरी तरह नजरअंदाज करना

आजकल अधिकतर निवेशक केवल इक्विटी एसआईपी पर फोकस कर रहे हैं। डेट फंड को कई लोग बेकार समझते हैं। जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि डेट निवेश पोर्टफोलियो का "शॉक एब्जॉर्बर" होता है। जब बाजार गिरता है तो डेट फंड पोर्टफोलियो को स्थिर रखने में मदद करते हैं। साथ ही निवेशकों को कम कीमत पर इक्विटी खरीदने का मौका भी मिलता है। यदि पूरा पैसा इक्विटी में हो तो बाजार गिरावट के समय नुकसान ज्यादा दिखाई देता है और निवेशक घबरा सकते हैं।

गलती नंबर 3 : हालिया टॉप परफॉर्मर फंड के पीछे भागना

कई निवेशक हर साल सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड में पैसा डालने लगते हैं। इससे उनका निवेश एसेट एलोकेशन बिगड़ जाता है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक ने शुरुआत में 70:30 का इक्विटी-डेट अनुपात तय किया था, लेकिन बाद में केवल तेजी वाले इक्विटी फंड में निवेश करना रहा, तो धीरे-धीरे उसका पोर्टफोलियो 90:10 बन सकता है। यह असंतुलन भविष्य में बड़ा जोखिम पैदा कर सकता है।

गलती नंबर 4 : जरूरत से ज्यादा फंड खरीद लेना

कुछ लोग मानते हैं कि ज्यादा फंड लेने से जोखिम कम हो जाएगा। इसी सोच में वे 10-12 इक्विटी फंड खरीद लेते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि कई फंड्स में एक जैसे शेयर होते हैं। यानी निवेशक अलग-अलग फंड लेकर भी वही कंपनियां खरीद रहे होते हैं। इससे पोर्टफोलियो जटिल हो जाता है और ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। असली विविधता अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश से आती है, न कि बहुत सारे फंड रखने से।

गलती नंबर 5 : लिक्विडिटी को नजरअंदाज करना

अधिकतर निवेशक अपना पूरा पैसा लंबी अवधि के निवेश में लगा देते हैं। लेकिन आपात स्थिति में तुरंत नकदी की जरूरत पड़ सकती है। यदि मैडिकल इमरजेंसी, नौकरी छूटने या किसी परिवारिक जरूरत के समय पैसा उपलब्ध न हो, तो निवेशक मजबूरी में बाजार गिरावट के दौरान इक्विटी बेच देते हैं। इससे बड़ा नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पोर्टफोलियो का कुछ हिस्सा हमेशा लिक्विड फंड या इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए।

गलती नंबर 6 : समय-समय पर पोर्टफोलियो की समीक्षा न करना

कई लोग एक बार एसआईपी शुरू करने के बाद वर्षों तक पोर्टफोलियो की समीक्षा नहीं करते। जबकि उम्र और जिम्मेदारियों के साथ निवेश रणनीति भी बदलनी चाहिए। शादी, बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट जैसे बड़े जीवन बदलावों के अनुसार एसेट एलोकेशन बदलना जरूरी होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक साल में कम से कम एक बार पोर्टफोलियो की समीक्षा और रीबैलेंसिंग करनी चाहिए।

सही एसेट एलोकेशन जरूरी विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय में निवेश का परिणाम केवल अच्छे फंड चुनने पर निर्भर नहीं करता। असली फर्क सही एसेट एलोकेशन बनाना है। एक संतुलित पोर्टफोलियो बाजार की गिरावट में भी स्थिर रहता है और निवेशकों को घबराने से बचाता है। वहीं गलत एसेट एलोकेशन वाला पोर्टफोलियो तेजी के समय अच्छा दिख सकता है, लेकिन गिरावट में भारी नुकसान दे सकता है।

अनुशासन और संतुलन ही सफलता का मंत्र

एसआईपी के जरिए संपत्ति बनाने के लिए केवल नियमित निवेश काफी नहीं है। निवेशकों को अपने लक्ष्य, जोखिम क्षमता और जरूरतों के अनुसार सही एसेट एलोकेशन बनाना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि सफल निवेशक वही होते हैं जो बाजार की चमक-दमक से प्रभावित हुए बिना अनुशासन बनाए रखते हैं।



हॉकी में आशिष की हैट्रिक, जापान को 4-1 से रौंदा, तीसरा एशिया कप खिताब कब्जाया

भारत पुरुष अंडर-18 एशिया कप चैंपियन

एजेंसी ►►काकामिगाहारा

आशिष पुर्ती की शानदार हैट्रिक की बदौलत भारत ने मेजबान जापान को 4-1 से हराकर शनिवार को यहां पुरुष अंडर-18 एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया। पुर्ती ने दूसरे, 28वें और 34वें मिनट में गोल दागकर हैट्रिक पूरी की। कप्तान केतन कुशवाहा ने 30वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त को और मजबूत किया। जापान की ओर से एकमात्र गोल नुमादा गाकू ने 52वें मिनट में किया। भारतीय हॉकी ने स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को तीन लाख रुपये और सहयोगी सदस्यों को डेढ़ लाख रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। इसके साथ ही महिला अंडर-18 टीम के कांस्य पदक जीतने पर प्रत्येक खिलाड़ी को एक लाख रुपये और सहयोगी सदस्यों को 50,000 रुपये देने की भी घोषणा की गई। भारत ने मैच की शुरुआत से ही भारत ने दबदबा बनाते हुए 90 सेकंड में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया, जिसे पुर्ती ने गोल में बदल दिया। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 1-0 से आगे था जबकि जापान ने कुछ आक्रामक प्रयास किए लेकिन

भारतीय रक्षा पंक्ति को भेद नहीं सका। दूसरे क्वार्टर में भी भारत ने बढ़त बनाए रखी। जापान ने बराबरी की कोशिश की लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने उनके हर प्रयास को नाकाम कर दिया। इसके बाद 28वें मिनट में पुर्ती ने एक और शानदार गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके तुरंत बाद प्रह्लाद राजभर ने गेंद छीनकर कप्तान कुशवाहा को पास दिया, जिन्होंने सटीक फिनिश कर हाफटाइम तक स्कोर 3-0 कर दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर में आक्रामक खेल जारी रखा। वरिंदर सिंह की शानदार मूव के बाद मिले पेनल्टी कॉर्नर को पुर्ती ने 34वें मिनट में गोल में बदलकर हैट्रिक पूरी की और भारत को 4-0 की मजबूत बढ़त दिलाई। अंतिम क्वार्टर में जापान ने वापसी की कोशिश की और 52वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोर 4-1 किया, लेकिन यह केवल सात्वना भर रहा। इसके बाद जापान को कुछ और मौके मिले, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने उन्हें सफल नहीं होने दिया। पुर्ती को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 13 गोल कर शीर्ष स्कोरर का खिताब भी हासिल किया।

भारत की बेटियों ने बढ़ाया मान

एजेंसी ►► काकामिगाहारा

भारतीय महिला हॉकी टीम ने कोरिया के खिलाफ तीसरे स्थान के मैच में 3-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए अंडर-18 एशिया कप में कांस्य पदक जीता। भारत की ओर से संदीप कुमारी, कप्तान स्वीटी कुजूर और नौशीन नाज ने गोल दागे और टीम को पोडियम पर जगह दिलाई। सेमीफाइनल में चीन के खिलाफ शूटआउट में मिली करीबी हार के बाद भारतीय टीम ने कोरिया के खिलाफ शानदार शुरुआत की और शुरुआती दो मिनट में ही बढ़त बना ली। संदीप कुमारी ने बेहतरीन संयम दिखाया और दूसरे ही मिनट में शानदार फिनिश के साथ भारत को बढ़त दिला दी।

महिला अंडर-18 में कोरिया को 3-0 से हराकर भारत ने कांस्य पदक जीता



भारतीय प्लेयर ने बनाए सर्कल के अंदर मूव

भारत ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा और सर्कल के अंदर कुछ अच्छे मूव बनाए। टीम को इस इनाम 16वें मिनट में मिला जब स्वीटी कुजूर ने मैदानी गोल करके भारत की बढ़त को दोगुना

कर दिया। भारतीय टीम मध्यार्ध तक 2-0 से आगे थी। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही भारत ने एक और गोल दागा जब 33वें मिनट में टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर नौशीन ने मैदानी गोल

दागकर प्रतियोगिता में अपने कुल गोल की संख्या 12 तक पहुंचाई। मैच में शानदार प्रदर्शन और शुरुआती गोल करने के लिए संदीप कुमारी को मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

गृह मंत्री अमित शाह ने अंडर-18 पुरुष और महिला हॉकी टीम को बधाई दी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'अंडर-18 एशिया कप 2026 में खिताब जीतने वाली पुरुष टीम और कांस्य पदक जीतने पर महिला अंडर-18 हॉकी टीम को बधाई। आपकी इस कामयाबी से निश्चित रूप से खेल और इसके चाहने वालों का उत्साह बढ़ेगा। जीत का यह सिलसिला जारी रखें।' भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को जापान के काकामिगाहारा में खेले गए तीसरे स्थान के मैच में कोरिया को 3-0 से हराकर कांस्य पदक जीता।



दोनों टीमों ने देश का गौरव बढ़ाया

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। भारतीय पुरुष टीम ने बेहतरीन खेल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय देते हुए एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। वहीं, महिला टीम ने कांस्य पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय मैच पर भारत का मान बढ़ाया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में संघर्ष, समर्पण और उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे भारतीय हॉकी की मजबूत नींव और उज्ज्वल भविष्य की झलक देखने को मिली। यह उपलब्धि देश के युवा खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, लगन और बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक है। भारत को आगे बढ़ते और बेटियों दोनों पर समान रूप से गर्व है।



-कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व वित्त मंत्री, हरियाणा सरकार

भारत ने 7 पदक जीते, इनमें 6 हरियाणा की बेटियों ने कब्जाए

हरिभूमि न्यूज ►►रोहतक

उलानबटोर कुश्ती ओपन रैंकिंग सीरीज में भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण और चार कांस्य सहित सात पदक जीते। इसमें 6 हरियाणा की महिला पहलवानों ने जीते।

यह प्रतियोगिता उलानबटोर मंगोलिया में आयोजित की गई। शनिवार को खेले गए मैचों में 62 किलोग्राम में रोहतक की मानसी ने कांस्य पदक जीता। 55 किलोग्राम में सोनीपत की हंसिका ने कांस्य पदक जीता।

76 किलोग्राम में जींद की प्रिया ने कांस्य पदक जीता। 76 किलोग्राम में सोनीपत की काजल ने स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले 57 किलोग्राम में रोहतक की मनीषा ने और 59 किलोग्राम में चरखी दादरी की नेहा ने स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा 50 किलोग्राम में

उलानबटोर कुश्ती ओपन रैंकिंग सीरीज



सागर ने स्वर्ण और जयदीप ने कांस्य जीता



नीलम ने कांस्य पदक जीता। हरियाणा कुश्ती संघ के अध्यक्ष रमेश बोहरा और कोच रणबीर ढाका ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।



भारत ने छठी बार सैफ महिला चैंपियनशिप का खिताब जीता

फाइनल में बांग्लादेश को 3-1 से हराया

मडगांव (भाषा)। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने शनिवार को यहां खेले गए फाइनल में बांग्लादेश पर 3-1 की शानदार जीत के साथ छठी बार सैफ महिला चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। भारत ने सात साल बाद यह ट्रॉफी जीती। टीम के लिए प्यारी खाका (42वें मिनट), सनफिदा नोवम (46वें मिनट) और लिंडा कॉम सटो (82वें मिनट) ने गोल किए। बांग्लादेश के लिए एकमात्र गोल रिंतु पोर्ना चकमा (45+2वें मिनट) ने किया। मेजबान टीम ने गुप चरण में भी इसी प्रतिद्वंद्वी को 3-0 से हराया था। भारत ने टूर्नामेंट में बिना

कोई मैच गंवाए अपना सफर पूरा किया। उन्होंने 18 गोल किए और सिर्फ एक गोल खाया जिससे टूर्नामेंट में उनका दबदबा साफ दिखा। भारतीय टीम ने मालदीव पर 11-0 की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी और फिर बांग्लादेश को 3-0 से हराकर गुप बी में शीर्ष स्थान हासिल किया था। लगातार पांच बार खिताब जीतने के बाद भारत फिनिश दो चरणों में फाइनल तक भी नहीं पहुंच पाया था। बांग्लादेश ने इन दोनों मैचों (2022 और 2024) पर नेपाल को हराकर ट्रॉफी जीती थी।

प्रज्ञानानंदा ने रचा इतिहास, नार्वे शतरंज का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

ओस्लो (भाषा)। गैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा इतिहास रचते हुए अंतिम दौर में जर्मनी के विन्सेंट कॉमर को हराकर प्रतिष्ठित नार्वे शतरंज का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। प्रज्ञानानंदा ने आखिरी दिन की शुरुआत 15 अंक के साथ तीसरे स्थान से की। उन्होंने सबसे अहम मैके पर बेहतरीन खेल दिखाया और क्लासिकल बाजी में जीत हासिल करके पूरे तीन अंक बटोरे। इस तरह वे 18 अंक पर पहुंचे और एलीट शतरंज की सबसे प्रतिष्ठित ट्रॉफियों में से एक अपने नाम की। चेन्नई के इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने वह उपलब्धि हासिल की जो 2013 में टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से भारतीय शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद और मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश जैसे खिलाड़ी भी हासिल नहीं कर पाए थे। नार्वे शतरंज में दूसरी बार हिस्सा ले रहे प्रज्ञानानंदा की शुरुआत धीमी रही थी लेकिन टूर्नामेंट के दूसरे हाफ में उन्होंने रफ्तार पकड़ी और लगातार चार जीत हासिल की। प्रज्ञानानंदा के अभियान की सबसे खास बात यह रही



कि उन्होंने नार्वे शतरंज के सात बार के चैंपियन और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल बाजी में दो बार हराया। मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश के अंतिम चरण में खिताब की दौड़ से बाहर होने के बाद प्रज्ञानानंदा ने भारत की उम्मीदों को जीवंत रखा और आश्चर्यकर खिताब अपने नाम किया।

इसे जीतना अधिक खास

प्रज्ञानानंदा ने कहा, 'इसे जीतना अधिक खास है और इसमें यह बात भी जुड़ जाती है कि मैग्नस वहां थे। साथ ही लगातार चार बाजी जीतना भी।' उनकी पिछली सबसे बड़ी जीत नौदरलैंड के विज्ज आन जी में 2025 टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में आई थी। भले ही प्रज्ञानानंदा का पूरा ध्यान कीमर के खिलाफ मुकाबले पर था लेकिन कभी-कभी उनका ध्यान दूसरे बोर्ड की ओर भी चला जाता होगा, जहाँ सो का मुकाबला अलीरेजा से हो रहा था। अगर सो क्लासिकल बाजी जीत जाते तो प्रज्ञानानंदा खिताब से चूक जाते। उस मुकाबले का ड्रॉ नतीजा निराशंका साबित हुआ और मैच टाईब्रेक में चला गया जहां सो ने जीत दर्ज की लेकिन उन्हें तीन की जगह सिर्फ डेढ़ अंक मिले।

आयरलैंड इंग्लैंड एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का ऐलान

बदलाव की नई बयार, श्रेयस टी20 कप्तान, टीम में सूर्यवंशी की एंट्री

एजेंसी ►► मुंबई

भारतीय टी20 क्रिकेट में शनिवार को बदलाव की नई बयार देखने को मिली जब श्रेयस अय्यर को सूर्यकुमार यादव की जगह राष्ट्रीय टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया तो वहीं युवा सननगी वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल कर लिया गया। महज 15 वर्ष और 71 दिन की उम्र में वैभव सूर्यवंशी राष्ट्रीय टीम में जगह पाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का वर्षा पुराना रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। तेंदुलकर ने 15 नवंबर 1989 को करांची में पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला था। उस समय उनकी उम्र 16 वर्ष और 205 दिन थी।



टीम इंडिया खेलेंगी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला

भारतीय टीम 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेंगी। इसके बाद टीम 1 से 11 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 श्रृंखला में हिस्सा लेगी। अय्यर की राष्ट्रीय टी20 टीम में वापसी 3 दिसंबर 2023 के बाद पहली बार हुई है। उन्होंने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच उसी दिन बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

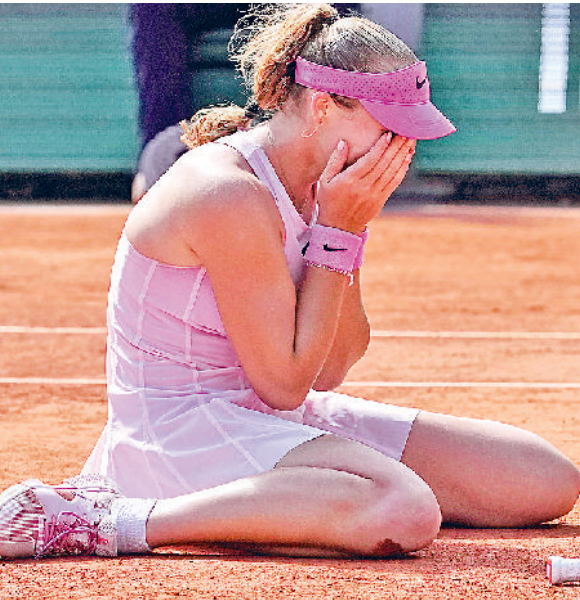
आईपीएल में किया शानदार प्रदर्शन

सूर्यवंशी का चयन लगभग तय माना जा रहा था। इस युवा बल्लेबाज सत्र में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की थी। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक जड़े तथा 237.30 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। अगरकर ने बिहार के इस युवा खिलाड़ी की मैच का रुख बदलने की क्षमता की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमने देखा है कि वह क्या कर सकता है।

आयरलैंड और इंग्लैंड टी-20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अमिषेक शर्मा, संजू सेमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिस यादव और वैभव सूर्यवंशी।
एशियाई खेलों के लिए: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अमिषेक शर्मा, संजू सेमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और वैभव सूर्यवंशी।
श्रीलंका दौरे के टीम: ध्रुव जुरेल (कप्तान एवं विकेटकीपर), साई सुदर्शन, देवदत्त पडिकल (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, सारांश जेन, वरुण बरार, आकिब नबी, यश ठाकुर, एन जगदीशन, अमन मेकाडे, शेख राशिद और जीशन अंसारी।

च्वालित्स्का को 6-3, 6-2 से हराया



मीरा आंद्रीवा ने रचा इतिहास बनीं ग्रैंड स्लैम चैंपियन

एजेंसी ►►पेरिस

लगाकर मैच प्वाइंट हासिल किए

रूस की टेनिस सनसनी मीरा आंद्रीवा ने शनिवार को यहां फ्रेंच ओपन महिला एकल के फाइनल में पोलैंड की माया च्वालित्स्का को 6-3, 6-2 से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। आंद्रीवा ने विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी के खिलाफ केवल 19 वर्ष की आयु में करियर का पहला ग्रैंड स्लैम जीतकर टेनिस जगत में नया अध्याय जोड़ दिया है। यह उपलब्धि इस्लिए भी विशेष मानी जा रही है क्योंकि वह 1992 के बाद सबसे कम उम्र की महिला चैंपियन बनी हैं। यह रिकॉर्ड मोनिका सेलेस के नाम है जिन्होंने 18 वर्ष की आयु में फ्रेंच ओपन खिताब जीता था।

पहले दिन केएल राहुल और गिल ने जड़ा शतक



चंडीगढ़। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में जारी इकलौते टेस्ट में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम इंडिया ने पहले दिन की समाप्ति तक 3 विकेट खोकर 368 रन बना लिए हैं। पहले दिन 85 ओवरों का ही खेल हो सका। मुल्लांपुर में टेंस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को 12वें ओवर की अंतिम गेंद पर यशस्वी जायसवाल के रूप के रूप में 41 के स्कोर पर पहला झटका लगा।



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्योंकि सच्ची सहेली में हैं **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachhisaheli.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

कठिन दर्द

चिड़चिड़ापन

थकान

कमजोरी

कमर कटना

इम्यूनिटी



नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा, हमारे कंधों पर नहीं अतीत का बोझ, पुरानी कड़वाहट से कोसों दूर हैं पीएम बालेंद्र शाह

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल के साथ हुई बैठक में बोले भारत के विदेश मंत्री

भारत का नेपाल को साफ संदेश, ‘सहयोग और सहकार्य’ से बनेगी बात: जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो►►नई दिल्ली

बीते कुछ वक्त से सीमा विवाद और शीर्ष राजनीतिक नेपाली नेतृत्व के बयानों की वजह से भारत- नेपाल संबंधों में बना हुआ तनाव का दौर फिलहाल खत्म होता हुआ नजर आ रहा है। शनिवार को नई दिल्ली में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच एक उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय-प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई है। जिसमें डॉ. एस. जयशंकर ने नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल को आपस में मिलजुल कर कार्य करने को ही भारत का काठमांडू को दिया गया साफ संदेश बताया। इसे उन्होंने (सहयोग और सहकार्य) जैसे दो शब्दों के साथ परिभाषित भी किया है। यह जानकारी डॉ.जयशंकर ने इस बैठक को लेकर एक्स पर साझा की गई अपनी एक आडियो-वीडियो पोस्ट के जरिए दी है।

उधर, इस बैठक के पूर्व में नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल से भी मुलाकात की है। यहां बता दें कि इस साल के मध्य में नेपाल में गठित की गई नई सरकार के किसी वरिष्ठ मंत्री की यह पहली भारत यात्रा है। खनाल से पहले नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने भारत की यात्रा की थी। जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री डॉ.जयशंकर और भाजपा के अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की थी। नेपाल के विदेश मंत्री की यह यात्रा तीन दिवसीय है। जो 5 से 7 जून तक चलेगी।



अतीत के बोझ से कोई वास्ता नहीं: खनाल

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बैठक में कहा कि हमारे प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार नई दिल्ली के साथ मौलिक रूप से उद्देश्यपूर्ण ढंग से जुड़ने के लिए तैयार है। नेपाल, भारत को अपने एक अति महत्वपूर्ण साझेदार देश के रूप देखता है, नई दिल्ली के साथ हम अपने संबंधों को शीर्ष प्राथमिकता

इन नए क्षेत्रों में बढ़ेगा सहयोग

भारत के विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच आपसी संबंध लगातार आगे बढ़ रहे हैं। जिसमें मुख्य रूप से व्यापार, निवेश, वाणिज्य, ऊर्जा, विकास साझेदारी, शिक्षा, संस्कृति और आपदा प्रतिक्रिया जैसे मामले शामिल हैं। लेकिन आज के इस संवाद से हमें कई नए क्षेत्रों जैसे स्टार्ट-अप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सूचना तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा में अपने संबंधों को आगे बढ़ाने का मौका मिला है। बैठक में उन्होंने दो महीने पहले मॉरीशस में नेपाल के विदेश मंत्री के साथ हुई अपनी मुलाकात को स्मरण करते हुए कहा कि अब एक बार फिर से नेपाली प्रतिनिधिमंडल के साथ विदेश मंत्री खनाल का स्वागत करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है।

साझा की पीएम मोदी की भावनाएं

जयशंकर ने बैठक में कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भावनाओं को व्यक्त करना चाहता हूं। जिसमें उन्होंने साझा प्रगति, समृद्धि और दोनों देशों के कल्याण पर जोर दिया है। साथ ही कहा कि नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने की भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच बने हुए उल्लूक संबंधों की साफ तौर पर झलक देखने को मिलती है। मैं अपनी ओर से नेपाल सरकार को उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूं। उनके द्वारा तय किए गए मजबूत लक्ष्यों और भारत द्वारा निकट पड़ोस को लेकर उठाए गए कदमों में काफी समानता देखने को मिलती है।

बैठक से निकला यह निष्कर्ष

■ 2015 में आए भूकंप के बाद किए गए पुनर्निर्माण कार्यक्रम के तहत 72 स्वास्थ्य सुविधाओं, 12 सांस्कृतिक धरोहर परियोजनाओं को आभासी रूप से सौंपा गया।

■ भारत के यूपीआई-एनपीसीआई और नेपाल के राष्ट्रीय भुगतान इंटरफेस के बीच सीमा पर व्यक्तिगत प्रेक्षकों को सुगम बनाने के लिए लिंकेज को स्वतंत्र रूप से लांच किया गया।

■ डिजिटल इंडिया भाषिणी और काठमांडू विश्वविद्यालय के बीच नेपाल के लिए बॉयस फर्स्ट भाषा अनुवाद प्लेटफॉर्म के लिए राष्ट्रीय डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को सह-निर्माण करने के लिए एक एमओयू के आदान-प्रदान का साक्ष्य दिया गया है।

एनएसए डोभाल से भी मिले खनाल

नेपाल के विदेश मंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल से भी मुलाकात की है। इस दौरान हुई बातचीत में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक आगे बढ़ाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया है। जिसमें ऊर्जा, कनेक्टिविटी और पर्यटन जैसे मुद्दे मुख्य रूप से शामिल किए गए हैं।

खबर संक्षेप

भारतीय ‘गेम डिजाइनर्स अवार्ड’ की सूची में



लंदन। ब्रिटेन के एक विश्वविद्यालय में पढ़ रहे एक भारतीय छात्र को भारत के एक कारखाने में काम करने वाले मजदूर के जीवन पर आधारित गेम के लिए ‘बाफ्टा यंग गेम डिजाइनर्स अवार्ड’ के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। स्कॉटलैंड के ग्लासगो स्थित ‘स्ट्रेथक्लाइड’ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विभाग में प्रथम वर्ष के छात्र डासी डॉंडा को उनके गेम ‘माया’ के लिए 15-18 वर्ष के आयु वर्ग में नामांकित किया गया। यह गेम एक विधवा की कहानी पर आधारित है, जो कपड़े के कारखाने में लंबे समय तक काम करती है।

दुरईस्वामी ने बीजिंग यूनिवर्सिटी का किया दौरा

कहा- भारत और चीन दो हजार सालों से ज्ञान की विरासत साझा कर रहे

एजेंसी►►बीजिंग

चीन में भारतीय राजदूत विक्रम दुरईस्वामी ने कहा है कि दो हजार सालों से अधिक समय से भाषाओं का पारस्परिक ज्ञानवर्धन और विचारों का आदान-प्रदान दोनों देशों के बीच संबंधों की एक परिभाषित विशेषता रहा है। दुरईस्वामी ने ‘बीजिंग फॉरेन स्टडीज यूनिवर्सिटी’ (बीएफएसयू) का दौरा किया, जहां उन्होंने व्याख्यान दिया तथा छात्रों और

न्यूयॉर्क में योग दिवस का नेतृत्व एचआर नागेंद्र करेंगे

वॉशिंगटन। पीएम नरेंद्र मोदी के योग गुरु एचआर नागेंद्र 21 जून को न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगे। वे न्यूयॉर्क के मॉटसेलो में एक विशेष योग और कल्याण शिविर का भी उद्घाटन करेंगे जो 12 से 14



सेनाओं के बीच बढ़ेगा तालमेल

भारतीय सेना ने कहा कि चर्चा का मुख्य फोकस द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करना, सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाना, पेशेवर आदान-प्रदान का विस्तार करना और साझा सुरक्षा हितों के लिए सैन्य सहयोग को गहरा करना था। दोनों पक्षों ने सेना के बीच बढ़ते सहयोग की सराहना की और भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

फलों के राजा आम की अमेरिका में धूम

वाणिज्य दूतावास ने आम महोत्सव मनाया, 100 आयातक रहे मौजूद

एजेंसी►►सिएटल

भारतीय आमों की अमेरिकी शहरों में धूम मची हुई है। अमेरिकी लोग इस फल की लोकप्रिय किस्मों को बड़े चाव से खा भी रहे हैं और उनकी अधिक की मांग भी कर रहे हैं। सिएटल स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें ‘फलों के राजा’ आम के अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में निर्यात और उपयोग की

नई दिल्ली। कांगो में इबोला के मामले में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। इकांगो के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला के कंफर्म मामलों की संख्या 452 हो गई है, जिनमें 82 लोगों की जान चली

जून में हिमाचल में बर्फबारी, झूम उठे पर्यटक



कांगो में इबोला वायरस से 82 लोगों की मौत

गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने 4 जून को इतरी और नॉर्थ किवु प्रांतों में 71 नए मामलों की जानकारी दी थी, जिनमें 21 लोगों की मौत हो गई थी। यह वायरस बुंदिबुन्यो स्टैन के लगातार कम्युनिटी ट्रांसमिशन का संकेत है।

हवाई में 29वीं भारत-अमेरिका सैन्य वार्ता आयोजित

द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने और रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने पर हुई बात

एजेंसी►►नई दिल्ली

अमेरिका के हवाई में 29वीं भारत और अमेरिका ने ‘आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता’ आयोजित की, जिसमें दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। साथ ही, दोनों पक्षों ने अपने रणनीतिक साझेदारी संबंधों को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस बैठक की सह-अध्यक्षता उप सेना प्रमुख (रणनीति) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई और अमेरिकी सेना प्रशांत के उप कमांडिंग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल जोएल वोवेल ने की।

फ्रांस ने राफेल लड़ाकू विमानों को दिलाई ‘सुपर ताकत’

नई एनजी मिसाइल का सफल परीक्षण, स्टेल्थ जेट भी नहीं बचेगे

दुश्मन के विमानों, हेलीकॉप्टरों, ड्रोन, मिसाइलों को निशाना बनाने की क्षमता

एजेंसी►►पेरिस

फ्रांस ने राफेल लड़ाकू विमान के लिए बनाई गई नई और आधुनिक एमआईसीए एनजी मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। खास बात यह है कि इस मिसाइल को पहली बार राफेल से बहुत तेज यानी सुपरसोनिक गति में दागा गया और यह स्टेल्थ फाइटर जेट्स को भी निशाना बना सकता है। मिसाइल बनाने वाली कंपनी एमबीडीए के मुताबिक, एमआईसीए एनजी को भविष्य के युद्धों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।